page 1 and 8 aug 29_page 1 Mar 25 final ds.qxd 29-08-2025 01:52 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 अखनूर में सेना का त्वरित राहत अभियान, सैकड़ों लोगों की जान बचाई

5 हीरो महिला प्रो गोल्फटूर के पहले दिन खिलाड़ी मन्नत बरार पहले राउड में आगे

8 सदियों पुराना मेला पट भद्रवाह में शुरू

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 30

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-213 | जम्मू तवी, शुक्रवार 29 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू में बाढ़ के बाद बचाव कार्य जारी

4 और शव मिले; अब तक 45 मौतें

जम्मू तवी,28 अगस्त । जम्मू और सांबा में बाढ़ में तबाह हुई संपत्तियों को बचाने और पुनर्वास के लिए कई एजेंसियों का एक अभियान चल रहा है। गुरुवार को इस क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ में चार और लोग बह गए। पिछले दो दिनों में जम्मू क्षेत्र में रिकॉर्ड बारिश के कारण 45 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से ज़्यादातर वैष्णो देवी तीर्थयात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन में मारे गए हैं। बुधवार को बारिश कम होने के बाद राहत कार्यों में तेज़ी आई। एक अधिकारी ने कहा, लोगों को बचाने और पुनर्वास करने, गाँवों को फिर से जोड़ने और नुकसान का आकलन करने के लिए पूरे क्षेत्र में अभियान जारी है। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू में बाढ़ग्रस्त जलमार्गों से चार शव बरामद किए गए। बुधवार शाम को नगरोटा में तवी नदी से एक शव निकाला गया। बताया जा रहा है कि पीड़ित चक रकवाला में डूब गया था। मढ़ में एक नाले से एक और बुज़ुर्ग का शव बरामद किया गया। आर एस पुरा के करखोला इलाके में सीमा बाड़ के पास पानी से एक शव बरामद किया गया, जबकि एक और शव बारी ब्राह्मणा के तेली बस्ती इलाके में मिला। निचले इलाकों में मलबा, कीचड़ और फंसे हुए वाहनों को हटाने के लिए मज़दूर और मशीनें कड़ी मेहनत कर रही हैं। कई भूस्खलनों के कारण दर्जनों सड़कें अवरुद्ध हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि लगभग 50 गाँवों से संपर्क टूट गया है। अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 12,000 से ज़्यादा लोगों को निकाला जा चुका है। तवी, चिनाब, बसंतर, रावी और उझ जैसी प्रमुख नदियों का जलस्तर कम हो गया है। सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे, पुलों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुँचा है।उत्तर रेलवे, जिसने बुधवार को जम्मू और कटरा आने-जाने वाली 58 ट्रेनें रद्द कर दी थीं, ने जम्मू से 2,000 से ज़्यादा फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की ।रियासी ज़िले में वैष्णो देवी भूस्खलन में मलबे से और शव निकाले जाने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है।अधिकारियों ने बताया कि 24 शवों की पहचान हो गई है, जिनमें से 14 महिलाएं हैं। घटना में घायल हुए कम से कम 20 अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कटरा से मंदिर तक 12 किलोमीटर की यात्रा के लगभग आधे रास्ते पर अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ ।बारिश से जुड़ी अन्य घटनाओं में, मंगलवार को डोडा ज़िले में चार लोगों की मौत हो गई ।एक बीएसएफ जवान का शव प्रागवाल से बरामद किया गया, जबकि एक अन्य शव अखनूर में मिला, लेकिन उसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। पंजाब सीमा से लगे लखनपुर में सिंचाई विभाग के एक कर्मचारी का शव बरामद किया गया। 14 अगस्त को, किश्तवाड़ में मचैल माता मंदिर जाने वाले रास्ते के आखिरी गाँव चिसोती में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई, जिससे भारी तबाही मच गई।

2014 की बाढ़ के बाद उठाए गए कदमों की समीक्षा करेंगे और देखेंगे कि क्या बदलाव आया है : उमर

श्रीनगर, 28 अगस्त । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि वह कश्मीर में 2014 की बाढ़ के बाद उठाए गए कदमों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने यहाँ पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में दो दिनों की बारिश के बाद स्थिति काफी गंभीर है। उन्होंने कहा अगर दो दिन और बारिश होती तो जम्मू और कश्मीर दोनों जगहों पर मुश्किल हालात पैदा हो सकते थे। 2014 में छह दिनों की बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई थी लेकिन आज सिर्फ़ दो दिनों की बारिश ने बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर दी।

उन्होंने आगे कहा कि ईश्वर की कृपा से स्थिति में सुधार हुआ है और पानी कम हो गया है और फिलहाल बाढ़ का खतरा टल गया है। उन्होंने कहा लेकिन हमें यह समझने की ज़रूरत है कि 2014 की बाढ़ के बाद क्या बदला। मैं कुछ दिनों बाद अधिकारियों के साथ बैठकर एक दशक पहले आई बाढ़ के बाद किए गए उपायों की समीक्षा करूँगा। हम बाढ़ की स्थिति को रोकने के लिए किए गए अन्य उपायों के अलावा, बाढ़ चैनलों और झेलम नदी की वहन क्षमता के बारे में भी रिपोर्ट भेजेंगे।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमें अपनी गलतियों को सुधारने की ज़रूरत है क्योंकि हम हर साल लगातार खतरे में नहीं रह सकते। गौरतलब है कि रुक-रुक कर हो रही भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं के कारण पूरे जम्मू-कश्मीर में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है क्योंकि सभी प्रमुख नदियों और नालों का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है।

नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, 2 आतंकी ढेर

बांदीपोरा, 28 अगस्त । बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने एक्स पर बताया कि घुसपैठ की कोशिशों के बारे में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दी गई खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरेज सेक्टर में संयुक्त अभियान शुरू किया।

सेना ने कहा कि सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों की जवाबी गोलीबारी में दो आतंकी मारे गए हैं। अभियान फिलहाल जारी है।

जम्मू संभाग के स्कूल 30 अगस्त तक बंद रहेंगे

जम्मू , 28 अगस्त । कश्मीर संभाग के स्कूल दो दिनों की बंद के बाद कल से फिर से खुलने के लिए तैयार हैं। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि हमने शुक्रवार को कश्मीर संभाग के सभी स्कूलों को फिर से खोलने का फैसला किया है। इस बीच, जम्मू के स्कूली शिक्षा निदेशक ने आदेश दिया है कि संभाग भर के सभी सरकारी और निजी स्कूल 30 अगस्त 2025 तक बंद रहेंगे।डीएसईजे ने कहा है कि जम्मू संभाग के विभिन्न हिस्सों में लगातार और भारी बारिश के कारण, क्षेत्र में मौसम संबंधी कई व्यवधान देखे गए हैं, जिससे दैनिक जीवन और शैक्षणिक संस्थानों के सुरक्षित संचालन पर गहरा असर पड़ा है।

खराब मौसम के कारण जम्मू-कश्मीर विधानसभा की बैठकें स्थगित

श्रीनगर, 28 अगस्त। जम्मू-कश्मीर विधानसभा सचिवालय ने केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा खराब मौसम और बाढ़ जैसी स्थिति को देखते हुए सदन समितियों, वित्तीय समितियों और अन्य विधानसभा समितियों की सभी निर्धारित बैठकें 5 सितंबर तक स्थगित कर दी हैं। प्रशासन आपातकालीन स्थिति से निपटने में पूरी तरह से लगा हुआ है।

उत्तर रेलवे ने फंसे हुए यात्रियों के लिए जम्मू स्टेशन से नई दिल्ली तक विशेष अनारक्षित ट्रेन चलाई

जम्मू, 28 अगस्त । उत्तर रेलवे ने फंसे हुए पर्यटकों के लिए गुरुवार को जम्मू स्टेशन से नई दिल्ली के लिए एक विशेष अनारक्षित ट्रेन चलाई है। यह कठुआ और पठानकोट छावनी जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। उन्होंने कहा कि यात्री जम्मू, कठुआ और रास्ते में पड़ने वाले अन्य स्टेशनों से ट्रेन में सवार हो सकते हैं।

रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने बताया कि फंसे हुए पर्यटकों की मदद के लिए गुरुवार दोपहर लगभग 2 बजे जम्मू से दिल्ली के लिए एक अनारक्षित विशेष ट्रेन निर्धारित की गई है। यात्री विभिन्न रेलवे स्टेशनों खासकर जम्मू में फंसे हुए हैं और ट्रेन यातायात बहाल होने का इंतज़ार कर रहे हैं। जम्मू-पठानकोट में भारी बारिश के कारण जम्मू संभाग में रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं, क्योंकि रेलवे ट्रैक और पुल बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, जिससे सैकड़ों यात्री जम्मू रेलवे स्टेशन पर फंसे हुए हैं। इनमें से ज्यादातर यात्री कटरा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्री हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह जम्मू से छह ट्रेनों के रवाना होने के साथ रेल यातायात कुछ समय के लिए बहाल हुआ था, लेकिन चक्की नदी क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ और भारी मिट्टी के कटाव के कारण फिर से रुक गया है। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि 58 ट्रेनें रद्द की गईं, जिनमें तीन आंशिक रूप से, एक आंशिक रूप से की गई, पांच पूरी तरह से बहाल की गईं और तीन के मार्ग परिवर्तित किए गए।

क्षतिग्रस्त होने के कारण जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए बंद

जम्मू, 28 अगस्त । लगातार बारिश के कारण कई जगहों पर क्षतिग्रस्त होने के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने से राजमार्ग असुरक्षित हो गया है और इसके जीर्णोद्धार कार्य में काफी समय लगेगा।

इस बीच अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मुगल रोड खुला है और इसे वाहनों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा एसएसजी रोड़ भी वाहनों की आवाजाही के लिए खुला है जबकि सिंथन रोड़ यातायात के लिए बंद है।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर के दूर-दराज के इलाकों में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा की

जम्मू, 28 अगस्त। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर के दूर-दराज और दूरस्थ इलाकों में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा हेतु एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के आयुक्त सचिव सौरभ भगत, रामबन, उधमपुर, राजौरी, पुंछ और किश्तवाड़ के उपायुक्त, विधिक माप विज्ञान नियंत्रक, एफ़सीएसएंडसीए कश्मीर/जम्मू के निदेशक, एफ़सीएसएंडसीए के वित्त निदेशक, एफ़सीएसएंडसीए के विशेष सचिव, यातायात के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, तेल कंपनियों के राज्य स्तरीय समन्वयक, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में जम्मू-कश्मीर के दूर-दराज के इलाकों में पेट्रोलियम उत्पादों की समय पर और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में भौगोलिक बाधाओं, दुर्गम भूभाग और रसद संबंधी कठिनाइयों से उत्पन्न चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया गया।इस बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने दूरदराज के क्षेत्रों में समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ईंधन आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने दूर-दराज के क्षेत्रों की माँगों को पूरा करने में सक्षम एक अधिक कुशल वितरण प्रणाली बनाने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय के महत्व पर बल दिया। लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढाँचे में सुधार की समीक्षा करते हुए, मुख्य सचिव ने ईंधन वितरण नेटवर्क को मज़बूत करने पर ज़ोर दिया, जिसमें पेट्रोलियम उत्पादों की उच्च माँग वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त आपूर्ति केंद्र स्थापित करने की संभावना भी शामिल है। उन्होंने अधिकारियों से दूरदराज के इलाकों के लिए वैकल्पिक समाधान तलाशने का भी आह्वान किया, जैसे कि मोबाइल ईंधन आपूर्ति इकाइयाँ शुरू करना, ताकि खराब मौसम या भौगोलिक सीमाओं के कारण पहुँच से दूर रहने वाले इलाकों तक पहुँचने की चुनौतियों का समाधान किया जा सके। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से एक जन जागरूकता अभियान शुरू करने को भी कहा ताकि निवासियों को ईंधन की उपलब्धता, वितरण कार्यक्रम और आपातकालीन आवश्यकताओं के बारे में अच्छी जानकारी हो।

मानसून जारी रहने के कारण अगले 15 दिन अहम, मौसम संबंधी सलाह का पालन करें: कश्मीर मंडल आयुक्त

श्रीनगर, 28 अगस्त । कश्मीर के मंडल आयुक्त अंशुल गर्ग ने गुरुवार को हाल ही में आई बाढ़ की स्थिति से निपटने में कश्मीर के लोगों के साहस और सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगले 10-15 दिन अहम हैं और निवासियों से मौसम संबंधी सलाह का सख्ती से पालन करने का आग्रह है।

गर्ग ने कहा कि झेलम नदी का जलस्तर कम हो गया है लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि टीमें हाई अलर्ट पर हैं। अपने कार्यालय कक्ष में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं लोगों को शांति और दृढ़ता से स्थिति का प्रबंधन करने के लिए बधाई देना चाहता हूँ। सभी टीमें बारीकी से निगरानी कर रही थीं लेकिन नागरिकों की जागरूकता और साहस ने ही अंतर पैदा किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि आने वाले दिन महत्वपूर्ण हैं और निवासियों से खासकर झेलम और उसकी सहायक नदियों के पास सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि अगले 40 दिन महत्वपूर्ण हैं क्योंकि मानसून जारी है। जनता के सहयोग से हमारी टीमें किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं।

सतीश शर्मा ने कांस्टेबल राजीव नूनियां को श्रद्धांजलि अर्पित की

जम्मू, 28 अगस्त। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, युवा सेवा एवं खेल, तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल राजीव नूनियां को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने 27 अगस्त को जम्मू के परगवाल सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाढ़ के दौरान अपने कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

जम्मू के पलौड़ा कैंप स्थित बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक में आयोजित पुष्पांजलि समारोह में, मंत्री ने शहीद के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित की और वीर सैनिक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, सतीश शर्मा ने कहा, कांस्टेबल राजीव नूनियां ने विपरीत परिस्थितियों में अनुकरणीय साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। सीमा की सुरक्षा और राष्ट्र की सेवा में उनका सर्वोच्च बलिदान हमारी सामूहिक स्मृति में सदैव अंकित रहेगा। उन्होंने बल की सर्वोच्च परंपराओं को कायम रखा और राष्ट्र उनकी वीरता का ऋणी रहेगा।

मंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कांस्टेबल नूनियां का बलिदान जम्मू-कश्मीर और देश के युवाओं को कर्तव्य, साहस और देशभक्ति के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता रहेगा। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी, नागरिक प्रशासन और नागरिक समाज के सदस्य भी शहीद को श्रद्धांजलि देने में शामिल हुए।

उपायुक्त द्वारा जम्मू शहर में बाढ़ राहत और पुनर्वास उपायों की समीक्षा

जम्मू, 28 अगस्त। जम्मू के उपायुक्त डॉ. राकेश मन्हास ने जम्मू शहर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और चल रहे राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा की।

उपायुक्त ने ग्रेटर कैलाश, जोगी गेट और गुज्जर नगर इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और निवासियों से बातचीत की।

ग्रेटर कैलाश में, डॉ. मन्हास ने बिजली आपूर्ति केंद्र का निरीक्षण किया, जिसे बाढ़ के कारण भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बिजली आपूर्ति तत्काल बहाल करने के निर्देश दिए और लोगों द्वारा उठाई गई कई अन्य चिंताओं का समाधान किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि दीर्घकालिक बाढ़ सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रेटर कैलाश को छोड़कर जम्मू शहर में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। जोगी गेट पर निवासियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त ने कहा, घरों से मलबा और गंदगी हटाने का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। मलबा और गंदगी हटाने के लिए प्रशासन ने 40 जेसीबी लगा रखी हैं और तहीलदार और बीडीओ समन्वय कर रहे हैं।

जावेद राणा ने जम्मू शहर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में जलापूर्ति बहाली की समीक्षा की

श्रीनगर, 28 अगस्त। जम्मू शहर और उसके आसपास के इलाकों में हाल ही में हुई भारी बारिश और उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर, जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने जल आपूर्ति प्रणालियों की चल रही बहाली की समीक्षा और आकलन के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में प्रभावित निवासियों को पेयजल की निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करने के लिए तत्काल राहत और दीर्घकालिक शमन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मंत्री ने सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए त्वरित और समन्वित कार्रवाई के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने लगातार बारिश और बाढ़ के कारण जलापूर्ति के बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का जायजा लिया और विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों में चल रहे मरम्मत और बहाली कार्यों की स्थिति की समीक्षा की।

जिन इलाकों में पाइप से जलापूर्ति बाधित है, वहाँ मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निवासियों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए समय पर पानी के टैंकरों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस कठिन समय में किसी भी प्रभावित इलाके में कोई भी घर स्वच्छ और सुरक्षित पानी से वंचित नहीं रहना चाहिए।

मरम्मत कार्यों में तेजी लाने तथा टैंकरों और वैकल्पिक स्रोतों के माध्यम से आपूर्ति की जा रही जल गुणवत्ता की निगरानी के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए। मंत्री ने इस कठिन समय में लोगों के साथ खड़े रहने और सभी आवश्यक सेवाओं को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। समीक्षा बैठक में जम्मू नगर निगम के आयुक्त, जल शक्ति जम्मू के मुख्य अभियंता, जल शक्ति जम्मू के अधीक्षण अभियंता, जल शक्ति (मैकेनिकल) जम्मू के अधीक्षण अभियंता, जल शक्ति जम्मू जिले के सभी कार्यकारी अभियंता, और जम्मू संभाग के भूजल के कार्यकारी अभियंता ने भाग लिया। विभागीय अधिकारियों ने मंत्री को सेवाओं को बहाल करने में आने वाली चुनौतियों, विभिन्न संभागों में नुकसान के आकलन और मौजूदा संकट को कम करने के लिए किए गए आकस्मिक उपायों से अवगत कराया। जम्मू नगर निगम के आयुक्त ने मंत्री को नागरिक प्रतिक्रिया प्रयासों और अंतर-एजेंसी समन्वय के बारे में भी जानकारी दी।

जेएमसी आयुक्त ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण, शीघ्र राहत और सफ़ाई उपायों का दिया आश्वासन

जम्मू, 28 अगस्त । जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए आज जम्मू नगर निगम के कई वार्डों का व्यापक दौरा किया। मूसलाधार बारिश ने निचले इलाकों को बुरी तरह प्रभावित किया है जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और कई घर बाढ़ के पानी और मलबे से भर गए हैं।

आयुक्त ने राजेंद्र नगर, कैनाल हेड, पीरखो मंदिर के आसपास का क्षेत्र, राजीव नगर विश्वविद्यालय क्षेत्र और तवी नदी के पास गुज्जर नगर सहित प्रमुख प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। प्रत्येक स्थान पर उन्होंने निवासियों से बातचीत की, उनकी शिकायतें सुनीं और उन्हें जेएमसी सीमा में नागरिक सुविधाओं की बहाली के लिए जम्मू नगर निगम द्वारा शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भारी बारिश के कारण कई घर और गलियाँ जलमग्न हो गईं और आवासीय परिसरों के अंदर भारी मात्रा में कीचड़ और गाद जमा हो गई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए डॉ. यादव ने संबंधित अधिकारियों और क्षेत्रीय टीमों को अगले 48 घंटों के भीतर सभी प्रभावित क्षेत्रों में सफाई और बहाली कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि किसी भी घर को अकेला नहीं छोड़ा जाना चाहिए और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पुनर्स्थापना कार्यों में तेज़ी लाने के लिए जेएमसी ने अपने कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की है और अर्थमूवर, सक्शन मशीन और डंपर सहित अतिरिक्त कर्मचारी और मशीनरी तैनात की है। प्रभावित इलाकों में मलबा हटाने, नालियों को खोलने और बुनियादी सुविधाओं को बहाल करने के लिए सफाई कर्मचारियों की टीमों को युद्धस्तर पर तैनात किया गया है। डॉ. यादव ने कहा कि निवासियों की कठिनाइयों को कम करने के लिए आने वाले दिनों में निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरे जम्मू शहर में मुफ्त पानी के टैंकर सेवाएँ शुरू की गई हैं। उन्होंने बताया कि नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं ताकि वे सीधे अपनी आवश्यकताओं की सूचना दे सकें या जेएमसी से तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें।

हफ्ते में पाएं लाइट कॉम्प्लेक्शन

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइयां, रूखी त्वचा और डार्क स्पॉट साफनजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफऔर गोरी नहीं रह जाती। उस पर सीजन का असर भी होता है। विंटर में सनस्क्रीन क्रीम शायद ही कोई इस्तेमाल करता है। साथ ही खुली ठंडी हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं। कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खास तौर पर इनका असर होता है। इसलिए अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट अंबिका पिल्लै की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।

सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉयस्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएट

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। 2 टेबल स्पून ओटमील में 2 टेबल स्पून ब्राउन शुगर व 1/4 कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें-चंदन पाउडर+नीबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। धोकर मॉयस्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

स्टाइलिश वेज हील

इन दिनों फैशन में हिट है वेज हील। कैजुअल से लेकर स्टाइलिश पार्टी वेयर तक हर अंदाज में उपलब्ध है यह फुटवेयर। वेज हील का मतलब सिर्फ हाई हील नहीं है। इसमें आपको हाई और कम हील दोनों ही मिलेंगी। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आपको क्या पसंद है। फैशन के अनुकूल होने के साथ ही वेज हील पांवों को भी आराम देती है। इन्हें पहनकर चलना सुविधाजनक होता है। वहीं इनसे पांवों की खूबसूरती भी उभरकर आती है। यदि आपका टखना भारी है तो आपके लिए वेज हील एकदम परफेक्ट है। वेज हील की डिजाइन ऐसी होती है कि इसे पहनने पर भारी टखना पतला प्रतीत होगा। हां, अगर टखना बेहद पतला है तो भारी वेज हील पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें वह और भी पतला लगे। बहरहाल इसमें कोई शक नहीं कि वेज हील की है ग्लोबल अपील। इसे पहनने मात्र से बढ़ जाता है आपका स्टाइल। किसी भी लेंथ की स्कर्ट या ड्रेस के साथ वेज हील आकर्षक लगती है।

कैसे करें हाथों की देखभाल

साभार : अशोक कुमार मु

सही रख-रखाव वाले और साफ-सुथरे हाथ न केवल आकर्षक दिखते हैं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी भी हैं क्योकि ज्यादातर इंफेक्शन गंदे हाथों से ही फैलते हैं। आपके हाथों की सही केयर कोई मुश्किल काम नहीं है और हैंडवॉश तथा माइश्चराईजिंग का डेली सिम्पल रूटीन काफी है तथा ज़रूरत होने पर नाखूनों की ट्रिमिंग की जानी चाहिये। आपके हाथों को साफ रखने के लिये सोप बार और लिक्विड क्लींजर्स समान रूप से अच्छे हैं लेकिन अपने नाखून और अंगुलियों को स्क्त्रब करना मत भूलें जिससे नाखूनों के नीचे मैल न रहे। फिंगरनेल ब्रशेज भी मार्केट में उपलब्ध हैं जो आपके नाखूनों के हर तरफ की सभी गंदगी को सही से साफ करते हैं। हर पखवाडे अपने नाखूनों की ट्रिमिंग अच्छी आदत है लेकिन इसे करते समय सावधानी बरतें कि क्यूटिकल्स न कटने पायें जो नेल बेड की सुरक्षा करते हैं इसके बजाय अपने नाखूनों के नेचुरल कर्व को फॉलो करें। सही तरह से ट्रिम किये जाने वाले नाखूनों में दर्द की वजह बनने वाले इन्ग्रोन नेल्स या हैंगनेल्स के चास कम हो जाते हैं। ट्रिमिंग के बाद अपने नाखूनों को मॉइश्चराईज़ करके आप उन्हें कमजोर होने से बचा सकते हैं।

हाथों पर पिगमेंटेशन डेवलप होने से वे एजिंग के संकेत प्रदर्शित कर सकते हैं इसलिये मॉइश्चराईज़र के अलावा अपने हाथों को डैमेज होने से बचाने के लिये सनस्क्त्रीन का उपयोग करना चाहिये। साबुन से धोये जाने पर हाथ सूखे हो जाते हैं इसलिये त्वचा को ड्राइता और क्त्रैक होने से बचाने के लिये मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करना जरूरी हो जाता है।

इसके अलावा अपने हाथों की अच्छी केयर के लिये दूसरे उपाय भी अपनाने चाहिये हर माह मेनीक्योर कराना कोई बुरा विचार नहीं है क्योंकि इससे न केवल आपके हाथ संवरते हैं बल्कि आपकी ओवरऑल एपीयरेंस और हाइजीन का स्तर भी सुधरता है।

पैरों की केयर करने को अनेक लोगों द्वारा तब तक उपेक्षित किया जाता है जब तक कोई गंभीर समस्या उत्पन्न नहीं हो जाती जैसे एथलीट्स फुट या कोई दर्दयुक्त कार्न या फिर हर मौसम में पैर लगातार बदबू करने लगते हैं। पैरों के अंगूठे और अंगुलियों की ट्रिमिंग सावधानीपूर्वक की जानी चाहिये क्योंकि त्वचा के बिल्कुल पास ट्रिमिंग करने से इंफेक्शन का खतरा उत्पन्न हो सकता है। पैरों की अंगूठे-अंगुलियों की सही ट्रिमिंग न होने से दर्दयुक्त हैंगनेल्स या इनग्रोन टो-नेल्स बन सकते हैं। सही तरह से फिट न आने वाले जूतों या चलने-फिरने के गलत ढंग के कारण पैरों में कॉलसेस और कार्न्स विकसित हो सकते हैं। यदि ये बहुत कठोर नहीं हों तो इनको घर पर ही अपने पैरों को गुनगुने पानी में डुबोकर और उनको प्यूमिस स्टोन से रगड़ने से छुटकारा पाया जा सकता है। ज्यादा कड़े कार्न्स को मेडिकल सहायता की ज़रूरत होती है। फंगल इंफेक्शनों को दूर रखने के लिये फुट हाइजीन महत्वपूर्ण है। अपने पैरों को पूरी तरह से खास कर अंगूठों अंगुलियों के बीच अच्छी तरह धोकर सुखाना ज़रूरी है। यदि आपके पैरों में ज्यादा पसीना आने की परेशानी है तो मेडिकेटेड पाउडर का उपयोग करें और रोज धुले मोजे पहनें जिससे फंगल इंफेक्शन से बचाव हो सके। लम्बे समय से बदबू करने वाले पैरों में बैक्टीरियल इंफेक्शन हुआ हो सकता है जिसे डॉक्टर को दिखाना ज़रूरी होता है।

पेडीक्योर फीट केयर का अच्छा उपाय है क्योंकि यह पैरों की सभी समस्याओं को दूर रखते हुए आकर्षक बनाता है। पेडीक्योर पैरों से डेड त्वचा को हटाता है इन्ग्रोन टो-नेल्स से बचाव करता है और कॉलसेस और कार्न्स से छुटकारा दिलाता है। पेडीक्योर से बदबू करने वाले पैरों का भी ट्रीटमेंट किया जा सकता है!

दिखें दूसरों से जुदा

कॉलेज में हर दिन दूसरी गर्ल्स से अलग दिखने की चाहत में गर्ल्स कर रही है खास तैयारी। कानपुर की कुछ एक्सपर्ट की टिप्स अपनाकर आप दिख सकती है दूसरों से जुदा..

स्कूलिंग से फ्री होकर कॉलेज का रुख करने वाली गर्ल्स के बीच इन दिनों खास तैयारिया चल रही है। अगर आप भी उनमें से एक है तो नई ड्रेस की शॉपिंग जरूर की होगी। दूसरी कॉलेज गोइग ग ?र्ल्स की तरह ही आपको भी यह चिंता सता रही होगी कि हमारी जैसी ड्रेस और स्टाइल में कोई दूसरी गर्ल दिख गई तो मजा किरकिरा हो जाएगा। ऐसा मत सोचिए, डिफरेट लुक पाने के अन्य विकल्प भी है।

साथ रखें स्टोल्स

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल सलाह देती है, अपने बैग में कलरफुल स्टोल्स रखें। यह ब्राइट कलर में होने चाहिए। इनका फायदा आपको तब मिलेगा जब कोई दूसरी गर्ल आप जैसी ही कुर्ती या टॉप पहने होगी। आप कलरफुल स्टोल कैरी कर अलग लुक दिखा सकती है। इन दिनों फ्लोरल प्रिंट हॉट है, इसलिए ब्लैक, यलो और पिंक स्टोल खरीदें।

जंक जूॅलि का जलवा

काशी ज्वैलर्स की जूॅलि डिजाइनर कृति बताती है, डिफरेट लुक पाने का सिंपल ऑप्शन है जंक जूॅलि। पर्स में इसके दो-तीन ऑप्शन रखें। अगर आपकी जूॅलि किसी से मेल खाती है तो अपने पास रखे दूसरे ऑप्शन को ट्राय कर सकती है। अगर आपकी ड्रेस दूसरे से मैच खाती है तो भी यह काम की साबित होगी।

मेकअप हो कुछ खास

ब्यूटी एक्सपर्ट निहारिका त्रिपाठी बताती है, मेकअप में ब्राइट कलर्स से बचें। लाइट कलर को प्राथमिकता में रखें और नेचुरल लुक पाने की कोशिश करे। इन दिनों कॉलेज गोइग ग ?र्ल्स के लिए आरेंज या फ्लोरोसेंट ग्रीन कलर इन है। कलर्स में आप इन्हे आजमाएं।

बोल्ड इमेज से बचें

कॅरियर काउसलर व पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट एक्सपर्ट संजय मित्रा कहते है, कॉलेज में शुरु से ही बोल्ड इमेज बनाना ठीक नहीं है। ब्राइट कलर्स के शॉर्ट्स और कलरफुल कैप्री की जगह लाग स्कर्ट के ऑप्शन को फालो करे। ज्यादा बातें करना या हर मुद्दे पर तर्क रखना भी आपकी इमेज खराब करेगा। नए फ्रेंड्स से इतनी दूरी बनाकर रखें कि उनकी नजर में आपकी पर्सनॉलिटी औरों से जुदा रहे।

क्या रूप निखरा है

एक अंडे की सफेदी को एक चम्मच शहद के साथ मिला कर चेहरे पर 20 मिनट लगाएं। उसके बाद पानी से चेहरा धो लें।

- एक केले में शहद और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन व हाथ-पैरों पर लगाएं। आधा घटे बाद पानी से धो लें।
- आम के छिलकों को पीस लें। इसमें एक चम्मच पाउडर मिल्क मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से मलें। इसे हाथ, पैर और गर्दन पर भी लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।
- दो चम्मच कॉर्नफ्लोर को एक अंडे की सफेदी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। करीब 20-25 मिनट लगा रहने दें।

जब पेस्ट सूख जाए तो हाथों को हलके गरम पानी में डुबोएं और चेहरे को मलें। फिर चेहरा धो लें। ऐसा 10-15 दिन तक लगातार करें।

- खीरे का रस, गुलाबजल और नींबू का रस बराबर-बराबर मात्रा में लेकर मिला लें। फिर चेहरा धोकर सुखाएं और इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह चेहरा धोकर फर्क महसूस करें।
- इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए दो चम्मच टमाटर के रस को चार चम्मच दही के साथ मिलाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं।
- खीरे का रस और दही 1-1 चम्मच लें। चुटकी भर हल्दी पाउडर मिला लें। चेहरे पर 15 मिनट लगा कर रखें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धोएं।
- अनन्नास का रस और नारियल पानी को मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- एक अंडे का पीला भाग लें। इसमें एक टुकड़ा सीताफल का पेस्ट मिला लें। इसे आधा घटा चेहरे पर लगा कर रखें और इंस्टेंट ग्लो पाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

अखनूर में सेना का त्वरित राहत अभियान, सैकड़ों लोगों की जान बचाई

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। अखनूर क्षेत्र में आई बाढ़ और आपदा के बीच भारतीय सेना ने तत्परता दिखाते हुए राहत अभियान शुरू किया। एसडीएम जौरियां की अपील पर सेना की राहत टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव इंदरी के 25-30 घरों से लगभग 40-50 लोगों को सुरक्षित निकालकर सरकारी उच्च विद्यालय, इंदरी में शिफ्ट किया। इसके बाद राहत दल गांव चत्रियाल पहुंचा और वहां से 35-40 लोगों को सुरक्षित बचाकर सरकारी अस्पताल, जौरियां पहुँचाया। अगले दिन यानी 27 अगस्त को सेना ने गांव तारोटी में सड़क पर गिरे विशालकाय पेड़ को हटाकर यातायात बहाल किया। राहत कार्य के दौरान सभी प्रभावित लोगों को भोजन, पीने का पानी और चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई गई। सेना ने जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वाटर बाउज़र भी तैनात किया। विशेष रूप से बुजुर्गों को सेना के मेडिकल ऑफिसर ने स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान कीं।

इस बीच, सेना की एविएशन यूनिट ने हेलीपैड को सक्रिय कर 5 सोर्टिस के जरिए 13 फंसे हुए जवानों को सुरक्षित निकाला। सभी को प्राथमिक उपचार, भोजन और आश्रय दिया गया, जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का तत्काल इलाज कर बाद में मिलिट्री हॉस्पिटल अखनूर में रेफर किया गया। सेना की इन मानवीय सेवाओं की सराहना करते हुए विधायक व सेवानिवृत्त एसएसपी मोहम्मद लाल भगत ने सरकारी अस्पताल, जौरियां का दौरा किया। उन्होंने कमांडिंग ऑफिसर और पूरी भारतीय सेना का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर की गई इस कार्रवाई ने अनेक लोगों की जान बचाई और बाढ़ प्रभावित नागरिकों को बड़ी राहत दी है।

विशेष पुनर्वास पैकेज की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिले बनी के विधायक

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। बनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. रमेश्वर सिंह ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भेंट कर क्षेत्र की दयनीय स्थिति पर गंभीर चिंता जताई और एक विशेष पुनर्वास पैकेज की मांग रखी। बैठक के दौरान डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री को विस्तार से अवगत कराया कि प्राकृतिक आपदाओं और वर्षों की प्रशासनिक उपेक्षा के कारण बनी क्षेत्र के लोग भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि टूटी-फूटी सड़कों, कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं, बिजली और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी ने लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। कई गांव भूस्खलन और सड़कों के धुल जाने से आज भी कटे हुए हैं, जिससे राहत कार्यों में भी भारी दिक्कत आ रही है। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि बनी के लिए एक समग्र राहत और पुनर्वास पैकेज तत्काल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने नुकसान का आकलन करने के लिए विशेष दल भेजने और आवश्यक सेवाओं को शीघ्र बहाल करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक विकास योजनाएं बनाने की भी अपील की।

पूर्व मंत्री प्रिया सेठी ने बाढ़ प्रभावित पीरखो में राहत कार्यों का नेतृत्व किया

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। जम्मू के पीरखो क्षेत्र में आई विनाशकारी फ्लैश फ्लड्स से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए भाजपा उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री प्रिया सेठी पिछले दो दिनों से लगातार राहत कार्यों का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने स्वयं राहत सामग्री वितरण की निगरानी की और प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया कि भाजपा हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ी है। राहत वितरण के दौरान प्रिया सेठी ने कहा, भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक परिवार है, जो हर आपदा में समाज की सेवा के लिए आगे आता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारे कार्यकर्ता लगातार जमीन पर काम कर रहे हैं ताकि कोई भी पीड़ित मदद से वंचित न रहे। सेठी ने कहा कि स्थानीय लोगों ने इस कठिन परिस्थिति में अद्भुत साहस दिखाया है और यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करें। भाजपा सुनिश्चित करेगी कि पुनर्वास कार्य प्राथमिकता पर पूरे हों। पीरखो के लोगों ने उनकी सक्रियता और लगातार मौजूदगी की सराहना करते हुए कहा कि वह हमेशा अपने क्षेत्र से जुड़े रहती हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में उनकी उपस्थिति ने पीड़ित परिवारों का मनोबल बढ़ाया है और उन्हें उम्मीद व राहत दी है।

जीआरपी कठुआ ने बिहार से आए बच्चे को उसके माता-पिता से मिलवाया

कठुआ, 28 अगस्त (हि.स.)। नियमित गश्त के दौरान जीआरपी कठुआ पुलिस स्टेशन की टीम को रेलवे स्टेशन कठुआ के प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक बच्चा घूमता हुआ मिला। जिसे सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार नियमित गश्त के दौरान जीआरपी कठुआ पुलिस को एक बच्चा घूमता हुआ मिला। पूछताछ करने पर बच्चे ने अपनी पहचान कनेहिया पुत्र कपूरी ठाकुर उम्र 10 वर्ष निवासी तेलयार जिला नालंदा बिहार, वर्तमान में देवला पोस्ट सूरजपुर जिला गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश के रूप में बताई। उसने आगे बताया कि वह गलती से कोलकाता (सियालदह) एक्सप्रेस में चढ़ गया था जिसे बाद में रेलवे स्टेशन कठुआ पर रोक दिया गया। उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए बच्चे को आगे की देखभाल और संरक्षण के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन कठुआ की टीम को सुरक्षित रूप से सौंप दिया गया और बच्चे के माता-पिता को संबंधित पुलिस स्टेशन के माध्यम से टेलीफोन पर सूचित कर दिया गया है। वहीं 28-05-2025 को बच्चे के माता-पिता जीआरपी कठुआ पुलिस स्टेशन पहुँचे और उन्हें सीडब्ल्यूसी कठुआ के समक्ष पेश किया गया।

जम्मू में दूर्वाष्टमी (दूवड़ी) व्रत एवं राधाष्टमी 31 अगस्त रविवार को मनाया जायेगा

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। जम्मू संभाग में विशेष महत्व रखने वाला दूर्वाष्टमी (दूवड़ी) का व्रत इस वर्ष 31 अगस्त, रविवार को है। जम्मू में इस व्रत को दूवड़ी के नाम से जाना जाता है। यह व्रत वंशवृद्धि, संतान की मंगलकामना एवं संतान सुख के लिए किया जाता है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के प्रधान ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि दूवड़ी का पर्व जम्मू में पारंपरिक हर्षोल्लास और आस्था के साथ मनाया जाता है। यह हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। रविवार 31 अगस्त को प्रातः 11:53 बजे तक भद्रा काल रहेगा। धर्मग्रंथों के अनुसार जब चंद्रमा मेष, वृष, मिथुन अथवा वृश्चिक राशि में रहता है तो भद्रा स्वर्गलोक की होती है। स्वर्गलोक की भद्रा में शुभ कार्य किए जा सकते हैं।

राणा ने दो उल्लेखनीय उर्दू पुस्तकों का किया विमोचन

श्रीनगर, 28 अगस्त (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण, तथा जनजातीय मामलों के मंत्री, जावेद अहमद राणा ने श्रीनगर स्थित नागरिक सचिवालय में दो महत्वपूर्ण उर्दू प्रकाशनों, हमारी दुनिया और शायरी करने का आसान तरीका का विमोचन किया।

हमारी दुनिया, लघु कथाओं का एक संग्रह, डॉ. अतीक-उर-रहमान और प्रख्यात लेखक नाजिम पूंछी के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। यह संकलन समकालीन सामाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और सामाजिक व्यवहार की जटिलताओं का गहन विश्लेषण करता है, और पाठकों को आधुनिक वास्तविकताओं का सूक्ष्म प्रतिबिंब प्रदान करता है।

पूर्व मंत्री ने सरकार से बाढ़ प्रभावितों को विशेष राहत पैकेज और त्वरित पुनर्वास की मांग की

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। भारी बारिश, फ्लैश फ्लड्स और वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन से हुई जनहानि पर वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मंत्री बाली भगत ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इन प्राकृतिक आपदाओं ने जम्मू-कश्मीर में व्यापक तबाही और हजारों निवासियों, श्रद्धालुओं व स्थानीय समुदायों को अपार कष्ट पहुंचाया है। अपने बयान में भगत ने मांग की कि सरकार तुरंत पर्याप्त मुआवजा घोषित करे और प्राकृतिक आपदा प्रावधानों तथा राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) के तहत जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष राहत पैकेज जारी करे। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजन, घर या रोज़गार खोया है, उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। पूर्व मंत्री ने कृषि भूमि, बाग-बगीचों और फसलों के नुकसान पर किसानों को मुआवजा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने छोटे व्यापारियों, जुग्गी-रेहड़ी और फड़ी वालों के लिए भी आर्थिक सहायता की मांग की, जिनका जीवन-यापन बाढ़ और भारी वर्षा से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों, लिंक सड़कों, पुलों, नालों, आवासीय मकानों, सरकारी स्कूलों और अन्य सार्वजनिक भवनों को भारी क्षति हुई है। विशेषकर वैष्णो देवी मार्ग पर हुए भूस्खलन ने जहां श्रद्धालुओं की जान ली है, वहीं लाखों भक्तों की यात्रा भी ठप हो गई है, जिससे आस्था-आधारित पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है। भगत ने प्रशासन से आग्रह किया कि क्षतिग्रस्त राजमार्गों, सड़कों, पुलों, नहरों और सार्वजनिक ढांचों की बहाली तत्काल शुरू की जाए, ताकि आवश्यक सेवाएं बहाल हों और प्रभावित परिवारों का पुनर्वास हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और स्थानीय निकायों के बीच समन्वय से ही हालात सामान्य किए जा सकते हैं।

मुगल रोड पर यातायात केवल शाम 4:30 बजे तक ही अनुमति

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। पुंछ के ज़िला मजिस्ट्रेट ने गुरुवार को मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुगल रोड पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए एक नया परामर्श जारी किया है।

आदेश के अनुसार चांदीमढ़ से कश्मीर जाने वाले वाहनों को केवल शाम 4:30 बजे तक ही अनुमति दी जाएगी। परामर्श में कहा गया है कि चिकित्सा आपात स्थिति या सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिकृत सरकारी ड्यूटी के अलावा शाम 4:30 बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में वाहनों की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कृषि निदेशक जम्मू ने फसल नुकसान के संबंध में बीमा कंपनियों के साथ बैठक की

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। कृषि निदेशक जम्मू अनिल गुप्ता ने आज लगातार बारिश के कारण फसल नुकसान और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत इसके समय पर निवारण के मुद्दे पर चर्चा के लिए बीमा कंपनियों के राज्य प्रमुखों के साथ एक बैठक बुलाई।

बैठक का मुख्य एजेंडा हाल ही में हुई भारी बारिश और भूस्खलन के कारण फसल नुकसान की सूचनाओं के पंजीकरण पर चर्चा करना था। कृषि निदेशक जम्मू ने विभाग को किसानों को पीएमएफबीवाई के अंतर्गत टोल-फ्री नंबर 14447 या व्हाट्सएप नंबर 7065514447 पर अपनी फसल हानि की सूचना दर्ज कराने के लिए प्रेरित करने को कहा, ताकि योजना के तहत समय पर मुआवजा प्रदान किया जा सके।

जम्मू प्रांत पर मंडरा रहे अभूतपूर्व संकट को लेकर डोगरा सदर सभा की आपात बैठक, सरकार से त्वरित कार्रवाई की

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। डोगरा सदर सभा की केंद्रीय कार्यकारी समिति की एक आपात बैठक में जम्मू प्रांत की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभा के अध्यक्ष ठाकुर जी.एस. चाढ़क ने कहा कि कटरा में वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन में 32 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए, जिससे यात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई है। इससे श्रद्धालुओं के साथ-साथ पर्यटन पर निर्भर हजारों परिवारों को गहरा नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश, बाढ़ और बादल फटने से प्रदेशभर में जन-धन की भारी हानि हुई है। कई गांव अब भी कटे हुए हैं, सड़कें और पुल टूट चुके हैं, राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हैं, रेल सेवाएँ प्रभावित हैं और पानी-बिजली व दूरसंचार जैसी बुनियादी सुविधाएँ ठप हो गई हैं। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हज़ारों वाहन फंसे होने से आम लोगों और कारोबार को भी भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। सभा ने अवैज्ञानिक तरीके से पहाड़ों में किए जा रहे धमाकों को आपदाओं का बड़ा कारण बताते हुए सरकार से जवाबदेही तय करने और क्षतिग्रस्त ढांचागत सुविधाओं की मरम्मत युद्ध स्तर पर करने की मांग की। बैठक में यह भी कहा गया कि मुबारक मंडी परिसर और ऐतिहासिक रानबीर नहर जैसी धरोहर उपेक्षा के कारण संकट में हैं, जिससे डोगरा संस्कृति के साथ-साथ किसानों की आजीविका भी खतरे में है।

अवैध लकड़ी तस्करी रोकने के लिए बड़ी कार्रवाई

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। कुपवाड़ा के लंगेट में वन विभाग और हंदवाड़ा पुलिस ने अवैध लकड़ी तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए टौटा मोबाइल जब्त किया। वाहन में 77 सीएफटी अवैध कटाई की लकड़ियाँ बरामद हुईं, जो मावर फ़ॉरेस्ट रेंज के कम्पार्टमेंट नंबर 43 से लाई गई थीं। इस कार्रवाई में कुख्यात तस्कर और हिस्ट्रीशीटर मंजूर शबांगी को गिरफ्तार किया गया, जबकि वाहन चालक मौके से भागने में सफल रहा। गिरफ्तार तस्कर को क़लामाबाद थाना सौंपा गया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :- 433-सिग-टी-26-25-26 दिनाँक 26.08.2025
बंद होने की तिथि/समय : 17.09.2025 को 12:30 बजे

वरिष्ठ मण्डल संकेत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोज़पुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से टैंडर नं0, 433-सिग-टी-26-25-26 ई. टैडरिंग के माध्यम से दिनांक 17.09.2025 को 12.30 बजे तक **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदांए असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवांए। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वंह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैडंर डाक्यूमैंट की कीमत और ब्याना राशि जोकि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नैट बैकिंग, डैबिट कार्ड, क्रैडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी। इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नहीं होगी।

एन आई टी.

कार्य का नाम	फिरोजपुर डिवीजन में तीन (03) वर्षों के लिए 5 वाट और 25 वाट वॉकी टॉकी सेटों की वार्षिक मरम्मत अनुबंध (एआरसी)		
टैंडर बन्द करने की तिथि तथा समय	17.09.2025 12:30	टैंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय	26.08.2025 13:31
अनुमानित कीमत	3427995.00	बिडिंग आरम्भ की तिथि (आईआरईपीएस)	03.09.2025
ब्याना राशि (रु.)	68600.00	कार्य पूरा करने की अवधि	36 महीने
नोटः	निविदाकर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि बारे में स्वयं को अपडेट रखें।		

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2598/25

जम्मू वेस्ट विधायक ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। जम्मू वेस्ट के विधायक अरविंद गुप्ता ने पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पट्टा चुंगी, कबीर बस्ती, दुर्गा लेन, वज़ीर लेन, कर्नल कॉलोनी और आनंद लेन का निरीक्षण कर स्थिति का जायज़ा लिया। पट्टा चुंगी में मुख्य सिंचाई डिस्ट्रीब्यूटरी के अवरुद्ध होने से बाढ़ का पानी दुकानों में घुस गया था। विधायक ने तुरंत अवरोध हटवाकर आगे के नुकसान को रोका। वहीं, कबीर बस्ती, दुर्गा लेन, आनंद लेन, कर्नल कॉलोनी और वज़ीर लेन में नालों के उफान से घरों और निजी संपत्ति को लाखों रुपये का नुकसान पहुँचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुप्ता ने प्रशासन को तुरंत नालों की सफाई करने और प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवज़ा व राहत सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, हमारी पहली प्राथमिकता है कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को समय पर राहत और सहायता मिले। किसी भी निवासी को इस कठिन समय में असहाय नहीं छोड़ा जाएगा। दौरे में पूर्व पार्षदों और मंडल अध्यक्षों सहित कई स्थानीय नेता भी उनके साथ मौजूद रहे, जिन्होंने राहत कार्यों में सहयोग दिया और प्रभावित परिवारों की समस्याएँ सुनीं। गुप्ता ने आश्वासन दिया कि प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी होगी और जब तक पूरी तरह पुनर्वास नहीं हो जाता, सहायता जारी रहेगी। उन्होंने प्रशासन को नालों, सड़कों और आवश्यक ढाँचे की बहाली को प्राथमिकता देने को कहा।

पहलगाम क्षेत्र में बाढ़ से तीन पुल क्षतिग्रस्त

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश और बाढ़ का असर पहलगाम क्षेत्र में भी देखने को मिला जहाँ तीन महत्वपूर्ण पुलों को भारी नुकसान पहुँचा है। जानकारी के अनुसार अरु वैली पुल, राफ्टिंग पॉइंट पुल और सख़रस श्रीगुफ़वाड़ा पुल बाढ़ की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए।

सहार खड्ड पुल पर मरम्मत कार्य तेज़ी से जारी

जम्मू, 28 अगस्त (हि.स.)। जम्मू-पठानकोट नेशनल हाइवे पर सहार खड्ड पुल पर इन दिनों मरम्मत का काम ज़ोरों पर जारी है। पुल को हुए नुकसान की भरपाई और उसकी मजबूती को ध्यान में रखते हुए विभाग के कर्मचारी लगातार काम में जुटे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द मरम्मत कार्य पूरा किया जाए ताकि आवाजाही सुचारू हो सके।

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता की जानकारी के लिए है कि हमारी परियोजना अर्थात "मौजूदा माध्यमिक धातुकर्म इकाई में 01 इंडक्शन फर्नेस (1X25) स्थापित करकेऔर एक निरंतर कास्टिंग मशीन स्थापित करके 1,19,000 टीपीए स्टील इनगोट्सधबिलेट का उत्पादन करने और राउंड, एंगल, चौनल, टीएमटी बार्स और फ्लैट्स का उत्पादन 85,876 टीपीए से बढ़ाकर 1,13,050 टीपीए करने के लिए मेसर्स कश्मीर इस्पात, सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, बारी ब्राह्मण II, सांबा जम्मू और कश्मीर को पर्यावरणीय मंजूरी ईसी पहचान संख्या EC24B1010JK5450317N दिनांक 19.08.2025, भारत सरकार, एमओईएफ और सीसी, SEIAA, जम्मू और कश्मीर द्वारा दी गई है। पर्यावरणीय मंजूरी की प्रति जम्मू और कश्मीर राज्य प्रदूषण नियंत्रण समिति के पास उपलब्ध है और यदि वांछित हो, तो इसे किसी भी कार्य दिवस पर देखा जा सकता है।

द्वारा
"मेसर्स कश्मीर इस्पात"
सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, बारी ब्राह्मणा, सांबा
जम्मू और कश्मीर

Government of Jammu & Kashmir
Office of The Executive Engineer Machinery Division Jammu

NOTICE INVITING TENDERS

E-NIT NO: MDJ/Tech/e-NIT/2025-26/64 Dated:25/08/2025 Due on: 15/09/2025

On behalf of the Lieutenant Governor, Government of Jammu &Kashmir Bids are invited by Executive Engineer Machinery Division Jammu by e- Tendering mode from reputed firms for undertaking the work as per SBD/BOQ.

S.No.	e-NIT No.	Description of work	Cost of tender (Rs.)	Time of Completion	Tender opening authority
1.	MDJ/Tech/e-NIT/2025-26/64	*Up gradation of Fountain System by Water Proofing under improvement/up gradation of children park at Rajinder Park, Canal Head, Jammu.*	500.00	30 days	Executive Engineer Machinery Division Jammu

The e-NIT consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, terms &conditions, bill of quantities can be seen / downloaded from J&K Govt. web-site www.jktenders.gov.in.
All other information regarding the e-NIT can be had from the office of the under-signed on any working day during the working hours before due date.

DIP/J-5166/25
Dtd: 28-8-2025

-Sd-
Executive Engineer
Machinery Division
Jammu

DIRECTORATE OF HORTICULTURE
OFFICE OF THE HORTICULTURE INFORMATION & PUBLICITY OFFICER
GolePuly, TalabTillo Jammu

Advisory for Fruit Growers of Jammu Division

In view of the intensive and continuous rains in Jammu Division, fruit growers are advised to follow the below mentioned measures to safeguard Orchards andFruit plants:

Waterlogging in orchards: Ensure proper drainage by making small channels to drain out excess water. Do not allow stagnation around tree basins.

Tree breakage / fruit drop: Provide support to heavily laden trees (Mango, Guava, Citrus, Kiwi etc.) with bamboo/wooden props.

Broken / damaged branches: Prune and remove broken, diseased, or damaged branches to avoid pathogen entry.

Fungal infections (fruit rot, canker, root/collar rot) : After cessation of rains, apply Copper Oxychloride @ 0.3% or Bordeaux mixture @ 1%. For root/collar rot, drench basins with Metalaxyl + Mancozeb solution or apply Trichoderma formulation.

Insect attack (fruit fly, stem borer etc.) Regularly monitor orchards. Use traps and apply need-based insecticidal sprays after rains.

Harvesting & storage Avoid harvesting during or immediately after rainfall. Keep harvested fruits in dry, ventilated conditions; avoid stacking wet fruits.

Chemical sprays Do not spray pesticides/fungicides during rains. Take up sprays only after **24-48 hours of clear weather**.

Field operations Avoid movement of heavy machinery/tractors in waterlogged orchards to prevent root damage and soil compaction.

General advisory
Stay updated with weather forecasts and follow departmental advisories for timely action.

DIP/J- 5186/25
Dtd: 28-8-2025

Sd/-
Horticulture Information &
Publicity Officer Jammu.

संपादकीय

खाद्य श्रृंखला कीटनाशकों, औद्योगिक प्रदूषण और अनैतिक प्रथाओं के कारण प्रभावित

यह आश्चर्यजनक है कि आज खाद्य श्रृंखला कीटनाशकों, औद्योगिक प्रदूषण और अनैतिक प्रथाओं के कारण तेज़ी से प्रभावित हो रही है। एक समय था जब लोग दूध विक्रेता द्वारा दूध में पानी मिलाने पर खूब हंगामा करते थे, लेकिन आज डेयरी उत्पादों में मिलावट के खतरनाक स्तर के बावजूद, लोग बेबस हो गए हैं क्योंकि शुद्ध उत्पाद मिलना लगभग नामुमकिन है क्योंकि मिलावट हर जगह व्याप्त है।

हाल ही में कश्मीर और जम्मू संभागों में सैकड़ों किलोग्राम सड़े हुए मांसाहारी उत्पादों की बरामदगी इस भयावह स्थिति को दर्शाती है और जीवन को बर्बाद करने वाली ऐसी कुप्रथाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता है क्योंकि आजकल थालियों में जो परोसा जा रहा है वह धीमा जहर है। फलों और सब्जियों पर रासायनिक परिरक्षकों और कृत्रिम पॉलिशिंग एजेंटों के बेतहाशा इस्तेमाल ने भोजन को स्वास्थ्य के लिए एक संभावित खतरा बना दिया है।

हर गुजरते दिन के साथ कम होती उम्मीदों के बीच, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा अस्वास्थ्यकर भोजन बेचने या भंडारण करने वालों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई के आह्वान ने एक बार फिर यह आशा जगा दी है कि एक दिन जम्मू-कश्मीर असुरक्षित भोजन से मुक्त हो जाएगा और लोगों को अपनी थाली में केवल पौष्टिक चीजें ही मिलेंगी।

यह ज़रूरी है कि खाद्य संदूषण और जन स्वास्थ्य से जुड़े अन्य मुद्दों के समाधान के लिए मुख्यमंत्री द्वारा कही गई बातों को बहुत गंभीरता से लिया जाए और संबंधित हितधारकों को जम्मू-कश्मीर में ऐसा माहौल बनाने के लिए उनका पालन करना चाहिए जहाँ असुरक्षित भोजन बेचना, भंडारण करना या ले जाना असंभव हो जाए। सख्त प्रवर्तन, लगातार निरीक्षण और समाज को शिक्षित करके, यह लक्ष्य कुछ ही दिनों में हासिल किया जा सकता है।

यह निश्चित है कि मुख्यमंत्री द्वारा कही गई बातों को लागू करके सरकार लोगों का विश्वास जीत सकती है क्योंकि आज हर कोई किसी न किसी रूप में खाद्य श्रृंखला के विषाक्त होने से परेशान है।

बेईमान खाद्य विक्रेताओं पर नकेल कसने की सख्त ज़रूरत है क्योंकि किसी को भी असुरक्षित भोजन परोसने या बेचने की अनुमति देने का मतलब है धीरे-धीरे लोगों की जान लेना, जो एक अपराध है। इस मोर्चे पर मज़बूत नेतृत्व न केवल सराहनीय है बल्कि इसकी तत्काल आवश्यकता भी है। इसमें कोई शक नहीं कि बेईमान तत्वों ने लोगों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ किया है और इसे रोकना होगा। जो लोग जानबूझकर जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं, उन्हें कानून का सामना करना होगा।

मेजर ध्यानचंद: खेल, संस्कृति और राष्ट्रप्रेम के आदर्श

- निखिलेश महेश्वरी

हमारे पारंपरिक भारतीय खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन नहीं, बल्कि वे मनुष्य के भीतर साहस, संगठन, धैर्य, बलिदान और जीवन-दर्शन जैसे गुणों का विकास करते हैं। उदाहरण के लिए, कबड्डी में आउट होकर फिर इन होना मानो मृत्यु के बाद नए जीवन का संदेश देता है। नि:स्संदेह, देशज खेलों में गूढ़ शिक्षा छिपी है, जो खेलते-खेलते सहज ही मन में उतर जाती है ।

29 अगस्त 2025 को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती है। उनका नाम आते ही हॉकी के मैदान में गेंद और स्टिक का अद्भुत संगम, दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देने वाला खेल-कौशल, और खेल के प्रति उनका अतुलनीय समर्पण स्मरण हो आता है। उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में देश प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाता है। एक ऐसा दिन, जब खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और उत्कृष्टता का प्रतीक बन जाता है । खेलों का जीवन में महत्व अनुराग पुरोहित की इन पंक्तियों से सहज समझा जा सकता है—

जीवन का हिस्सा बना खेल, जीवन में लाता है प्रकाश;

यह तनाव को करता दूर, रोगों का करता है नाश।

इससे आती है तंदुरुस्ती और होता है बुद्धि विकास;

भारत के इतिहास पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट होता है कि प्रत्येक महापुरुष के जीवन में किसी न किसी खेल का विशेष स्थान रहा है। श्रीकृष्ण की गेंद-खेल और कालिया नाग दमन की क्रीड़ा, भीम का गदा-युद्ध में अप्रतिम कौशल, अर्जुन का धनुष-बाण संचालन अथवा छत्रपति शिवाजी महाराज की सीमोल्लंघन की वीरतापूर्ण खेल-कूद की गतिविधियाँ, ये सभी केवल मनोरंजन के साधन नहीं थे, बल्कि उनके व्यक्तित्व-निर्माण की सुदृढ़ आधारशिला थे। नि:स्संदेह, इस देश की पावन मिट्टी में खेल-खेल में ही भगवान और वीर जन्म लेते रहे हैं।

ने भी जब एक दुर्बल युवक को गीता पढ़ने की इच्छा व्यक्त करते सुना तो पहले उसे गीता पढ़ने के बजाय फुटबॉल खेलने की सलाह दी। उनका संकेत स्पष्ट था, मजबूत शरीर और स्फूर्त मन ही ज्ञान को आत्मसात कर सकता है ।

हमारे पारंपरिक भारतीय खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन नहीं, बल्कि वे मनुष्य के भीतर साहस, संगठन, धैर्य, बलिदान और जीवन-दर्शन जैसे गुणों का विकास करते हैं। उदाहरण के लिए, कबड्डी में आउट होकर फिर इन होना मानो मृत्यु के बाद नए जीवन का संदेश देता है। नि:स्संदेह, देशज खेलों में गूढ़ शिक्षा छिपी है, जो खेलते-खेलते सहज ही मन में उतर जाती है ।

खेल दिवस के अवसर पर हमें अपने देश के पारंपरिक खेलों को स्मरण करते हुए भावी पीढ़ी को उनसे परिचित कराना चाहिए, साथ ही उन्हें आधुनिक खेलों में भी दक्ष बनाना चाहिए, क्योंकि खेल केवल शारीरिक स्फूर्ति का साधन नहीं, बल्कि चरित्र और संस्कारों के संवाहक भी हैं ।

यह खेल दिवस महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के स्मरण का अवसर है, जिनके अद्वितीय खेल कौशल और योगदान के सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस घोषित किया गया। उनकी जयंती पर विद्यार्थियों और खिलाड़ियों के बीच श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए हमें उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेकर संकल्प करना चाहिए कि हम खेल जगत में न केवल उत्कृष्टता, बल्कि शुचिता और राष्ट्रभक्ति का भी परचम लहराएँगे।

मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को प्रयागराज में हुआ। बचपन में उनमें खिलाड़ी जैसे कोई विशेष लक्षण नहीं थे, पर सतत साधना, अभ्यास, लगन और संकल्प से उन्होंने हॉकी में महारथ प्राप्त की, जो उन्हें विश्वविख्यात बना गई । छठी कक्षा तक पढ़ाई के पश्चात 1922 में वे मात्र 16 वर्ष की आयु में प्रथम ब्राह्मण रेजिमेंट, दिल्ली में सिपाही के रूप में भर्ती हुए। उनका असली नाम ध्यान सिंह था, लेकिन चांदनी रात में अभ्यास करने की आदत के कारण साथी उन्हें चंद कहने लगे और यही आगे चलकर उनका उपनाम बन गया—ध्यानचंद।

1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारत को लगातार तीन स्वर्ण पदक दिलाने में उनका योगदान निर्णायक रहा। 1936 के बर्लिन ओलंपिक फाइनल में भारत ने जर्मनी को 8-1 से हराया, जिसमें ध्यानचंद ने तीन गोल किए। जर्मन तानाशाह हिटलर भी उनके खेल-कौशल से इतना प्रभावित हुआ कि उन्हें अपनी सेना में उच्च पद का प्रस्ताव दिया, परंतु ध्यानचंद ने यह कहकर ठुकरा दिया—मैंने भारत का नमक खाया है, देश से गद्दारी नहीं करूंगा।

अपने करियर में उन्होंने 1000 से अधिक गोल किए और 'हॉकी का जादूगर' तथा The Magician के रूप में विश्वविख्यात हुए। 1956 में उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया । 3 दिसंबर 1979 को वे इस दुनिया से सदा-सदा विदा हो गए, लेकिन उनकी स्मृति आज भी भारतीयों के हृदय में जीवित है।

हार हुई तो मत घबराना, विजय मिली तो मत इतराना,

वृत्ति खिलाड़ी भूल न जाना, आज रुके तो कल बढ़ जाना,

विजय-पराजय जो भी आएं, निर्भय होकर खेल —

खेल जगत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है—भ्रष्टाचार, डोपिंग, मैच फिक्सिंग, बढ़ती हिंसा और नशे की लत जैसी विकृतियाँ खेलों की शुचिता को आहत कर रही हैं। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि एक समय खेलों को कैरियर का विकल्प नहीं माना जाता था, किंतु आज परिस्थिति बदल चुकी है । उन्होंने कहा —खेल विकास का महत्त्वपूर्ण पहलू है और मुझे खुशी है कि जहां एक समय बच्चों को खेलने पर माता-पिता से डांट पड़ती थी, वहीं आज माता-पिता को आनंद होता है कि उनके बच्चे खेलों में रुचि ले रहे हैं । मैं इसे शुभ संकेत मानता हूं ।

खेल प्रशासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा खेल क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, निष्पक्षता और नैतिक आचरण को प्रोत्साहन देने हेतु 1 जुलाई 2023 से राष्ट्रीय खेल नीति (ह्रस्क) लागू की गई। इसमें एक एथलीट गोद लें, एक जिला गोद लें, एक स्थल गोद लें, एक कॉर्पोरेट-एक खेल तथा एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम-एक राज्य जैसी अभिनव पहलें शामिल की गई हैं। यह नीति खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, पारदर्शिता और सुनियोजित सहयोग प्रदान करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय खेल दिवस मनाते समय हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि मेजर ध्यानचंद का जीवन परिश्रम, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और शुचिता का अनुपम उदाहरण रहा है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें न केवल खेलों में उत्कृष्टता, बल्कि शुचिता और राष्ट्रभक्ति का भी परचम लहराने का संकल्प लेना चाहिए। आज देश का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार उनके नाम से दिया जाता है। फिर भी, उनके अमूल्य योगदान और अद्वितीय राष्ट्रभक्ति को देखते हुए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि भारत सरकार उन्हें भारत रत्न से विभूषित कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करे।

(लेखक, विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री हैं।)

भारत-जापान संबंध- निवेश से रणनीति तक नई ऊँचाइयाँ

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और जापान के बीच संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से गहरे और सार्थक रहे हैं। बौद्ध धर्म से शुरू हुआ यह रिश्ता आज इक्कीसवीं सदी में व्यापक आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी साझेदारी का एक व्यापक एवं भरोसेमंद रूप ले चुका है। अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जापान यात्रा ने एक बार फिर इस मित्रता को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण बना दिया है। यह यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में गहरी हलचलें हैं, खास कर चीन के बाजार की आक्रामकता, अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के दौर का चलन जिस समय में सबसे अधिक दिखता हो । ऐसे में भारत-जापान संबंध न केवल द्विपक्षीय दृष्टि से, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए भी निर्णायक साबित हो सकते हैं।

भारत और जापान के रिश्तों की नींव में स्वतंत्रता के बाद 1952 में परस्पर दोनों देशों ने कूटनीतिक संबंध स्थापित किए हैं। भारत उन चंद देशों में शामिल था जिसने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जापान पर थोपे गए सैन फ्रांसिस्को संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए। यह जापान के प्रति भारत की सकारात्मक सोच का प्रमाण था। इसके बाद से यदि हम देखें तो भरोसे की नींव का प्रभाव भारत के हित में कुछ इस प्रकार रहा है कि जापान पिछले दो दशकों में भारत में निवेश का बड़ा स्रोत बनकर उभरा है। अप्रैल 2000 से मार्च 2024 तक भारत में जापान का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग 40 अरब डॉलर से अधिक रहा है। यह भारत के लिए चौथा सबसे बड़ा एफडीआई स्रोत है। जापान ने अगले दस सालों में भारत में करीब अ10 ट्रिलियन (5,800 लाख करोड़ रुपए) निवेश करने का ऐलान किया है। यह 2022 में किए गए पाँच साल के लिए अ5 ट्रिलियन (2,750 लाख करोड़ रुपए) निवेश की प्रतिबद्धता से कहीं ज्यादा है।

जापानी निवेश ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, मशीनरी, स्मार्ट सिटी, मेट्रो रेल, हाई स्पीड रेल और बंदरगाह विकास जैसे क्षेत्रों में केंद्रित है। टोयोटा, होंडा, सुजुकी, हिताची, पैनासोनिक और मित्सुबिशी जैसी कंपनियाँ भारत में लंबे समय से सक्रिय हैं। मारुति-सुजुकी का उदाहरण भारत-जापान औद्योगिक सहयोग की सफलता का एक ऐसा प्रतीक है जो वश्वि के कई देशों के लिए एक आदर्श मिसाल है। साथ ही एक बाजार के तौर पर यह साफ दिखाई देता है कि जापान को बड़े पैमाने वाले बाजार की जरूरत है और भारत यह अवसर देता है। अमेरिकी टैरिफ से मुनाफा घट रहा है, इसलिए जापानी कंपनियों को अब ऐसे बाजार की तलाश है जहाँ कीमतें कम हों और खपत ज्यादा।

भारत इस मामले में सबसे उपयुक्त है यहाँ 1.4 अरब की जनसंख्या है, तेजी से बढ़ता हुआ मध्यम वर्ग है और 6.4ब्न जीडीपी वृद्धि का अनुमान है। यही वजह है कि भारत आज भी जापान के लिए सबसे व्यवहारिक निवेश और व्यापार का अवसर बना हुआ है।

जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जीका) भारत की अनेक परियोजनाओं में सहायक रही है, दिल्ली मेट्रो, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा आदि में इसके काम को देखा जा सकता है, जो दोनों ही देशों के परस्पर के विश्वास को दृढ़ करने का आधार है। यह स्पष्ट है कि जापान, भारत की आर्थिक प्रगति में एक भरोसेमंद और दीर्घकालिक सहयोगी है। अत- इन सभी आधारों के प्रकाश में कहना होगा कि भारत और जापान एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य हैं। भारत के लिए जापान उच्च तकनीक, पूँजी, हरित ऊर्जा समाधान और स्थायी निवेश का स्रोत है। जापान के लिए भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र, दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला वह देश हे, जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और जो अपने आप में एक विशाल उपभोक्ता बाजार है। दोनों देशों की यह परस्पर निर्भरता इन्हें स्वाभाविक साझेदार बनाती है।

इन दोनों ही देशों के बीच यदि हम सम्बन्धों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करें तो ध्यान में आता है कि मोदी सरकार के दौर में भारत-जापान संबंध नई ऊँचाइयों तक पहुँचे हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा यदि किसी देश में की तो वह जापान ही है। इस दौरान संबंध विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी तक उन्नत हुए। अहमदाबाद-मुंबई हाई-स्पीड रेल परियोजना में जापान का योगदान मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा के लिए भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का क्वाड मंच सक्रिय हुआ। जापान ने भारतीय स्टार्टअप्स और डिजिटल नवाचारों में भी निवेश बढ़ाया। यह सब दर्शाता है कि मोदी सरकार में दोनों देशों के रिश्तों ने ठोस और दीर्घकालिक दिशा पाई है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक राजनीति का केंद्र है। भारत और जापान दोनों स्वतंत्र और सुरक्षित समुद्री मार्गों के पक्षधर हैं। मालाबार अभ्यास जैसे अभियानों में जापान की भागीदारी इस साझेदारी को मजबूत करती है। साइबर सुरक्षा और आतंकवाद-विरोधी सहयोग के क्षेत्र में भी समझौते हुए हैं। चीन की विस्तारवादी नीतियों के बीच यह सहयोग पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए स्थिरता का आधार बन सकता है। जापान तकनीकी नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी है। इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा में जापान की विशेषज्ञता भारत के लिए उपयोगी है। यह सहयोग भारत की नेट-जीरो प्रतिबद्धता और जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति को मजबूती देगा। भारत में ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में जापान की भूमिका निर्णायक हो सकती है। हालाँकि भारत-जापान संबंध मजबूत हैं, लेकिन चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस जापान यात्रा से हमें उम्मीद करना चाहिए कि इस दिशा में पहले से कई गुना बेहतर कार्य होगा और जो रुकावटें हैं, वे समाप्त होंगी। क्योंकि निवेश परियोजनाओं की धीमी प्रगति और नौकरशाही अड़चनें, व्यापार असंतुलन, क्योंकि भारत का आयात जापान से सबसे अधिक आज दिखाई देती हैं, जिनको लेकर दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली के लिए अभी बहुत काम होना बाकी है। एक तरह से देखें तो भारत का मानव संसाधन और व्यापक बाजार तथा जापान की तकनीकी दक्षता और पूँजी, दोनों देशों को भविष्य में विभिन्न प्रकार से एक दूसरे के लिए सहयोग का अवसर प्रदान करते हैं। हमें समझना होगा कि वर्तमान दौर में प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा केवल कूटनीतिक घटना नहीं है, भले ही फिर ऐसा दिखाई देता हो, क्योंकि इस यात्रा का जो समय है, वह उस वक्त में निर्धारित हुआ है, जब अमेरिका ने भारत को आर्थक रूप से कमजोर करने के लिए उस पर भारी भरकम टैरिफ लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी का जापान जाना वस्तुत- आज यह दर्शा रहा है कि भारत अपने इस साझेदार को रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से उच्च प्राथमिकता देता है। पिछले वर्षों में भारत और जापान के संबंधों का दायरा केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें सुरक्षा, तकनीकी नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढाँचे और सांस्कृतिक सहयोग शामिल हैं। इसलिए आज फिर एक बार भारत-जापान मित्रता का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

दोनों देशों के बीच निवेश, तकनीक, हरित ऊर्जा, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग के बहुआयामी आयाम इस रिश्ते को आने वाले दशकों तक और मजबूत करेंगे। फिर भारत और जापान न केवल द्विपक्षीय दृष्टि से बल्कि पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता और विकास के लिए भी एक-दूसरे के अपरिहार्य साझेदार हैं। यह यात्रा इस तथ्य को पुष्ट करती है कि भारत और जापान की साझेदारी भविष्य की वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाने जा रही है। इसके साथ ही एक जो सबसे बड़ा दोनों देशों के बीच साझा विरासत दिखाई देती है, वह भारत और जापान के बीच सांस्कृतिक रिश्तों को लेकर है, जोकि प्राचीन समय से ही बहुत गहरे रहे हैं।

आततायी शक्तियों के विनाश के लिए वीर गणपति बने अष्टविनायक

- डॉ.आनंद सिंह राणा

अनादि काल से भगवान श्रीगणेश की पूजा बुद्धि,ज्ञान और सौभाग्य के देवता के रुप में विभिन्न स्वरुपों में सनातन में होती आ रही है, परन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदुओं को,देश काल परिस्थितियों को देखते हुए वर्तमान और भावी पीढ़ी का परिचय केवल मोदक वाले, सूंड वाले, बड़े उदर वाले,नटखट बाल गणेश से ही नहीं कराना चाहिए,अपितु वीर गणपति से भी कराना चाहिए, ताकि वे भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें।साथ ही मिशनरियों,वामपंथियों और तथाकथित सेक्युलरों द्वारा श्रीगणेश के स्वरुप और लीलाओं को लेकर बनाई गई नौटंकियों का पटाक्षेप हो सके। इसलिए मोदक वाले सौम्य गणपति जी के साथ रौद्र वीर गणपति से भी परिचय कराना होगा,ताकि आने वाले समय के संकटों का सामना कर अपने हिन्दुत्व की रक्षा कर सकें। भगवान गणेश एक महा योद्धा हैं। गणेश जी के योद्धा रूप को वीर गणपति कहा जाता है। वस्तुत: यह स्वरुप सोलह भुजाओं वाला होता है। ये अपने हाथों में क्रमश: बैताल, भाला, धनुष, चक्रायुध, खड़ग, ढाल, हथौड़ा, गदा, पाश, अंकुश, नाग, शूल, कुन्द, कुल्हाड़ी, बाण और ध्वजा धारण करते हैं। इनकी छवि क्रोधमय तथा विकराल है। शत्रुनाश एवं आत्म संरक्षण के उद्देश्य से की गई आराधना अविलम्ब लाभ पहुंचाती है। वीर गणपति की पूजा करने से अदम्य साहस का संचार और शक्ति प्राप्त होती है, साथ ही हार न मानने की प्रेरणा मिलती है।

भगवान श्रीगणेश ने भी समय-समय पर धर्म की रक्षा के लिए 8 अवतार लिए थे। ये आठ अवतार ही अष्टविनायक कहलाते हैं।

एकदंत अवतार-एक बार महर्षि च्यवन अपने तपोबल के माध्यम से मद की रचना की थी, और वह महर्षि का पुत्र भी कहलाया। मद ने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से दीक्षा लेकर देवताओं पर अत्याचार करने लगा तब सभी देवताओं ने भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र का आह्वान किया, फिर भगवान ने एकदंत के स्वरुप में अवतार लिया। एकदंत भगवान ने मदासुर को युद्ध में पराजित कर दिया और देवताओं को अभय का वरदान दिया।

वक्रतुंड अवतार-भगवान गणेश ने वक्रतुंड अवतार मत्सरासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए लिया था।मत्सरासुर भगवान शिव का भक्त और उसने भगवान शिव से वरदान पा लिया था कि वह किसी भी योनि के प्राणी से नहीं हारेगा।मत्सरासुर के दो पुत्र क्रमश: सुन्दरप्रिय और विषयप्रिय भी थे और दोनों ही अत्याचारी थे. वरदान पाने के बाद मत्सरासुर ने शुक्राचार्य की आज्ञा से देवताओं को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।तब भगवान गणेश ने वक्रतुंड अवतार लेकर मत्सरासुर को पराजित किया और उसके दोनों पुत्रों का संहार किया।

महोदर अवतार-दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने मोहासुर नामक एक राक्षस को अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा-दीक्षा देकर देवताओं के विरुद्ध लड़ने के लिए तैयार किया । मोहासुर के अत्याचारों से परेशान देवी-देवताओं ने मिलकर भगवान गणेश का आह्वान किया।तब गणेशजी ने महोदर अवतार लिया, महोदर अर्थात बड़े पेट वाला। महोदर अपने मूषक पर सवार होकर मोहासुर से युद्ध करने पहुंचे तभी मोहासुर ने भयाक्रांत होकर बिना युद्ध किए महोदर अवतार को अपना इष्ट बना लिया।

गजानन अवतार-भगवान कुबेर के लोभ से लोभासुर का जन्म हुआ था।लोभासुर दैत्य गुरु शुक्राचार्य की शरण में गया और वहां से शिक्षा ली। शुक्राचार्य के कहने पर लोभासुर ने भगवान शिव से वरदान पाने के लिए कठोर साधना की।साधना से प्रसन्न होकर लोभासुर को निर्भय होने का वरदान दे दिया।वरदान पाकर लोभासुर ने सभी लोकों पर अधिकार कर लिया,तब सभी ने गणेशजी की प्रार्थना की और भगवान गणेश ने गजानन के रुप में अवतार लिया इसके बाद शुक्राचार्य की सलाह पर लोभासुर ने बिना युद्ध किए पराजय स्वीकार कर ली।

विकट अवतार-जलंधर का एक पुत्र हुआ कामासुर।कामासुर ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर महादेव ने त्रिलोक विजय का वरदान दे दिया था। वरदान पाकर कामासुर ने देवताओं पर अत्याचार करना प्रारम्भ कर दिया।असुर से परेशान होकर सभी देवताओं ने भगवान गणेश का ध्यान किया और असुर से मुक्ति की प्रार्थना की।तब भगवान गणेश ने विकट अवतार लिया इस अवतार में भगवान गणेश मोर पर विराजित होकर आए और कामासुर को पराजित कर दिया।

लंबोदर अवतार-एक बार क्रोधासुर नामक राक्षस ने सूर्यदेव की तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर सूर्यदेव ने क्रोधासुर को ब्रह्मांड पर विजय पाने का आशीर्वाद दे दिया। इसके बाद सभी देवी-देवता क्रोधासुर से भयभीत हो गए और भगवान गणेश का आह्वान किया।देवताओं की प्रार्थना को सुनकर भगवान गणेश ने लंबोदर का अवतार लिया। भगवान लंबोदर ने क्रोधासुर को रोक लिया और समझाया कि ब्रह्मांड पर कभी भी विजय प्राप्त नहीं कर सकते और ना ही अजेय योद्धा हो सकते।क्रोधासुर ने फिर अपना अभियान रोक दिया और हमेशा के लिए पाताल लोक में चला गया।

धूम्रवर्ण अवतार-एक बार ब्रह्माजी ने सूर्य भगवान को कर्म राज्य का स्वामी बना दिया, इससे उनके अंदर घमंड आ गया।राज्य करते हुए सूर्य भगवान को छींक आ गई, जिससे एक दैत्य की उत्पत्ति हुई, छींक से उत्पन्न हुए दैत्य का नाम अहंता पड़ा। अहंता दैत्य गुरु शुक्राचार्य के पास चला गया और वह अहंतासुर बन गया।इसके बाद उसने स्वयं का राज्य भी बना लिया और भगवान गणेश की पूजा करके वरदान भी प्राप्त कर लिया। वरदान पाकर अहंतासुर देवताओं पर अत्याचार करने लगा, तब सभी ने भगवान गणेश को आह्वान किया. देवताओं के आह्वान पर भगवान गणेश ने धूर्मवर्ण का अवतार लिया. धूर्मवर्ण का रंग धुएं जैसा था और वे बहुत विकराल थे, उनके एक हाथ में भीषण पाश थे, जिसमें से भयंकर ज्वालाएं निकल रही थीं,धूर्मवर्ण ने अहंतासुर का अंत किया और देवताओं को राहत दी।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर को हुआ कैंसर

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क इन दिनों जिंदगी की सबसे कठिन पारी खेल रहे हैं। क्लार्क स्किन कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए बताया कि ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में यह घातक बीमारी कोई अफवाह नहीं बल्कि सच है। उन्होंने बताया कि उनकी नाक से एक और कैंसर हटाने के लिए सर्जरी हुई है और उन्होंने फैंस को सावधानी बरतने और समय पर जांच कराने की अपील भी की। क्लार्क ने सोशल मीडिया पर अपने हालिया ऑपरेशन की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी नाक से स्किन कैंसर के एक नए हिस्से को हटाया गया है। पोस्ट में क्लार्क ने बीमारी को लेकर लोगों को आगाह करते हुए लिखा, 'स्किन कैंसर कोई अफवाह नहीं है, ये हकीकत है, खासकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में। आज मेरी नाक से एक और कैंसर हटाया गया। ये एक फ्रेंडली रिमाइंडर है कि अपनी स्किन की नियमित जांच जरूर करवाएं। जल्दी पहचान ही बचाव का सबसे बड़ा तरीका है।' माइकल क्लार्क को 2006 में पहली बार इस बीमारी का पता चला था। तब से अब तक वह कई बार इसके इलाज से गुज चुके हैं। यह उनका पहला ऑपरेशन नहीं है, बल्कि एक लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है जिसमें उन्होंने बार-बार स्किन कैंसर को हराने की कोशिश की है।

रिंकू सिंह का यूपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन जारी, कप्तान ने जड़ा ताबड़तोड़ अर्धशतक

लखनऊ। रिंकू सिंह भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के जाने-माने फिनिशर हैं और एशिया कप से पहले वह अपनी पावर-हिटिंग से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कुछ मैच पहले गोरखपुर लायंस के खिलाफ 48 गेंदों में 108 रन बनाए थे और अब लखनऊ फाल्कन्स के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 27 गेंदों में 57 रन ठोक दिए हैं। रिंकू सिंह 10वें ओवर में 73 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। स्पिनरों के खिलाफ उनका प्रदर्शन काफी धीमा रहा, लेकिन तेज गेंदबाजों के खिलाफ उन्होंने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस क्रिकेटर ने तेज गेंदबाजों की 21 गेंदों पर 46 रन बनाए। उन्होंने अपने 63 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए जिसमें तीन चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनकी पारी ने मध्य ओवर में मेरठ मावेरिक्स के स्कोर को बढ़ाया और 18वें ओवर में उनके आउट होने तक स्कोर 167 रन हो चुका था। इस प्रकार एशिया कप 2025 से पहले रिंकू सिंह अपनी लय में दिख रहे हैं और आगामी मैचों में भी इसी लय को जारी रखना चाहेंगे। रिंकू सिंह के साथ स्वास्तिक चिकारा और ऋतुराज शर्मा ने भी अर्धशतक जड़े।

एशिया कप से पहले त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेलेगा यूएई

नई दिल्ली। एशिया कप से पहले यूएई की टीम अफगानिस्तान और पाकिस्तान के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेलेगी जिसके लिए मुहम्मद वसीम की कप्तानी वाली टीम की घोषणा की गई है। यह सीरीज 29 अगस्त से 7 सितंबर तक शारजाह में खेली जाएगी। यह सीरीज 9 सितंबर से में शुरू होने वाले पुरुष टी20 एशिया कप की तैयारी के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस बार टीम में चार खिलाड़ी शामिल किए गए हैं जिसमें हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद फारूक और मुहम्मद जवादुल्लाह, जबकि आकिफ राजा, मतिउल्लाह खान और जुहैब जुबैर टीम में नहीं हैं। 28 वर्षीय बाएं हाथ के मध्यक्रम के बल्लेबाज कौशिक, जो अंशकालिक बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं, ने अभी तक अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है, जबकि सिद्दीकी, फारूक और जवादुल्लाह अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए खेल चुके हैं। मध्यम तेज गेंदबाज सिद्दीकी (32 वर्षीय) पिछले कुछ वर्षों में, श्व के प्रमुख गेंदबाजों में से एक रहे हैं, जिन्होंने 59 एकदिवसीय और 71 टी20आई मैचों में क्रमशः 76 और 96 विकेट लिए हैं, इसके अलावा वे इंटरनेशनल लीग टी20 (ILT20) और ग्लोबल टी20 कनाडा जैसी लीगों में भी खेल चुके हैं। 26 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जवादुल्लाह 12 एकदिवसीय मैचों में 11 विकेट और 33 टी20आई में 54 विकेट लेकर यूएई के गेंदबाजी आक्रमण का नियमित हिस्सा रहे हैं।

जॉन मूनी 6 साल बाद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम में वापसी

नई दिल्ली। आयरलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जॉन मूनी छह साल के अंतराल के बाद अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने घोषणा की कि मूनी को उनकी राष्ट्रीय टीम का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है। मूनी ने 2018 से 2019 तक अफगानिस्तान के साथ काम किया था, को शेन मैकडरमॉट के जाने के बाद यह पद खाली होने पर नियुक्त किया गया था। मैकडरमॉट वर्तमान में पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच के रूप में मार्गदर्शन कर रहे हैं। मूनी ने 91 अंतरराष्ट्रीय मैचों में आयरलैंड का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें 2007, 2011 और 2015 के तीन आईसीसी क्रिकेट विश्व कप और दो आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप शामिल हैं। उनके पास इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड से लेवल 3, 2 और 1 कोचिंग सर्टिफिकेट हैं। अफगानिस्तान के साथ काम करने के अलावा मूनी ने 2019 में वेस्टइंडीज के साथ और इस साल जनवरी से आयरलैंड की महिला टीम के साथ भी काम किया है। ACB ने ऑस्ट्रेलिया के निर्मलन थानाबालासिंगम को अपना नया फिजियोथेरेपिस्ट भी नियुक्त किया है।

16वीं एशियाई निशानेबाज़ी चैंपियनशिपः अनीश भनवाला ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में जीता रजत पदक

एजेंसी

शिमकेंट (कज़ाकिस्तान)। ओलंपियन अनीश भनवाला ने शिमकेंट, कज़ाकिस्तान में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाज़ी चैंपियनशिप में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में इजाफा किया। भारत अब तक कुल 74 पदक (39 स्वर्ण, 18 रजत, 17 कांस्य) के साथ शीर्ष पर काबिज है। 22 वर्षीय अनिश ने फाइनल में 35 का स्कोर किया, लेकिन चीन के सू लियानबोफान ने 36 का स्कोर करके स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ वर्ल्ड जूनियर और एशियन चैंपियनशिप जूनियर रिकॉर्ड भी बना दिया।अनीश ने आदर्श सिंह और नीरज कुमार के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में 1738 के कुल स्कोर के साथ रजत पदक भी हासिल किया। आदर्श ने क्वॉलिफिकेशन में 585 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। नीरज ने क्वालिफिकेशन में 570 अंक प्राप्त किए। फाइनल में अनीश चौथी सीरीज़ तक बढ़त में थे, जहां उन्होंने कुल 20 में से 2 निशाने चूके। पांचवीं सीरीज़ में सू ने परफेक्ट 5 मारते हुए स्कोर बराबर कर लिया, जबकि अनीश ने एक निशाना चूका। इसके बाद की दो सीरीज़ में भी अनिश ने एक-एक निशाना चूका जिससे सू को एक अंक की बढ़त मिल गई। अंतिम सीरीज़ में अनीश ने पहले शूट करते हुए परफेक्ट 5 मारे और अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाया, लेकिन सू ने संयम बनाए रखा और परफेक्ट 5 मारते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चैंपियनशिप की अंतिम ओलंपिक स्पर्धा ट्रैप मिक्स्ड टीम में भारत के क्यानन डेरियस चेनाय और आशिमा अहलावत की जोड़ी को कांस्य पदक मुकाबले में कज़ाकिस्तान की अलीशेर अलसल्बायेव और ऐज़हान दोस्मागंबेतोवा की जोड़ी से 34-38 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने कोरिया की चांग ही जंग और सियोना चो के खिलाफ शूट-ऑफ जीतकर मेडल मैच में प्रवेश किया था। भारत की दूसरी जोड़ी लक्ष्य श्योराण और व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता नीरू ढांडा ने क्वालिफिकेशन में 132 के स्कोर के साथ नौवां स्थान हासिल किया।

जूनियर मिक्स्ड टीम ट्रैप स्पर्धा में आर्यवंश त्यागी और भाव्या त्रिपाठी की जोड़ी को कज़ाकिस्तान की निकिता मोइसेयेव और एलेओनोरा इब्रागिमोवा से गोल्ड मेडल मुकाबले में 37-38 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चैंपियनशिप की सभी ओलंपिक स्पर्धाएं समाप्त हो चुकी हैं और अब ध्यान गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं की ओर केंद्रित हो गया है, जिनकी शुरुआत आज हुई। भारत ने इन स्पर्धाओं में भी दो पदक जीते- 50 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम में स्वर्ण और सीनियर वर्ग में रजत।

केंद्र ने दी राष्ट्रमंडल खेल-2030 के लिए बोली प्रस्तुत करने की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने के लिए अपनी दावेदारी पेश करेगा। यह दावेदारी इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित करने के लिए होगी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रमंडल खेल-2030 (सीडब्ल्यूजी-2030) के लिए बोली प्रस्तुत करने के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को आज मंजूरी दी। मंजूरी संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटियों के साथ मेज़बान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता स्वीकृत करने से भी जुड़ी है। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार अहमदाबाद आयोजन के लिए एक आदर्श मेज़बान शहर साबित होगा। दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम नरेन्द्र मोदी स्टेडियम 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप फ़ाइनल की सफलतापूर्वक मेज़बानी करके अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर चुका है। यहां विश्व स्तरीय स्टेडियम अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं और एक जोशीली खेल संस्कृति उपलब्ध है। इसमें कहा गया है कि ऐसे विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आयोजन की मेज़बानी से राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को बल मिलेगा। यह एथलीटों की एक नई पीढ़ी को खेलों को एक करियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा और सभी स्तरों पर खेलों में अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा।

नोएडा में टेक्नोवेशन वर्ल्ड कप 9.0 का आगाज, 60 देशों से 22 हजार युवा करेंगे मुकाबला

एजेंसी

नोएडा। रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करने जा रहा है। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन (एआईसीआरए) ने घोषणा की है कि टेक्नोवेशन वर्ल्ड कप का 9वां संस्करण 30 अगस्त से 02 सितंबर तक नोएडा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 21 में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया करेंगे।

वैश्विक भागीदारी और मेगा चैलेंजेस

इस बार प्रतियोगिता में 60 से अधिक देशों के 22,000 युवा इनोवेटर्स हिस्सा लेंगे। प्रतिभागी टीमें स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और स्टार्टअप्स का प्रतिनिधित्व करेंगी। इवेंट में 15 रोमांचक रोबोटिक्स और ड्रोन चुनौतियां होंगी, जिनमें रोबो सॉकर, बॉट्स कॉम्बैट, ड्रोन रेस, सुमो बॉट और एग्रीबॉट चैलेंज जैसे मुकाबले शामिल हैं। इसके अलावा 150 से ज्यादा इनोवेशन प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए जाएंगे।

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का संगम - टेडेक्स 2025: टेक्नोवेशन 9.0 का सबसे बड़ा आकर्षण होगा टेडेक्स 2025, जहां प्रतिभागी और आगंतुक एआई, रोबोटिक्स, एआर/वीआर और आईओटी से जुड़ी नवीनतम तकनीकों का अनुभव कर सकेंगे। साथ ही, इस मंच पर ग्लोबल कॉन्फ्रेंस, नेटवर्किंग सेशन और उभरती

तकनीकों पर डेमो भी होंगे।

भारत बनेगा टेक-स्पोर्ट्स का ग्लोबल हब

एआईसीआरए के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने कहा, टेक्नोवेशन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। हमारा लक्ष्य भारत को टेक-स्पोर्ट्स और इनोवेशन का वैश्विक केंद्र बनाना है। यह आयोजन भारत की उस प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है, जिसके तहत स्टेम लर्निंग, एआई रिसर्च और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा दिया जा रहा है।

महिला टी20 विश्व कप ग्लोबल क्वालीफायर के लिए आयरलैंड और नीदरलैंड ने किया क्वालीफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। आयरलैंड और नीदरलैंड ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। जर्मनी पर 65 रनों की जीत के साथ नीदरलैंड्स यूरोप से आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालीफायर में पहुंचने वाली दो टीमों में आयरलैंड के साथ शामिल हो गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार दोनों टीमें अगले साल इंग्लैंड में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश मेंअन्य टीमों के साथ शामिल होंगी। आयरलैंड ने लगातार पांच जीत के साथ अपना शीर्ष स्थान पहले ही सुनिश्चित कर लिया था, जबकि जर्मनों पर जीत के साथ नीदरलैंड ने यह सुनिश्चित कर लिया है कि भले ही इटली यूरोप क्वालीफायर के अंतिम मुकाबले में आयरलैंड को हराकर जीत दर्ज कर ले, फिर भी नीदरलैंड शीर्ष दो स्थानों पर रहेगा। क्वालीफायर में खेलने वाली अन्य टीमों

में स्कॉटलैंड और बांग्लादेश ने 2024 महिला टी20 विश्व कप में अपनी उपस्थिति के आधार पर स्वचालित रूप से क्वालीफाई किया है। इसके अलावा मार्च में संयुक्त राज्य अमेरिका ने अमेरिका क्वालीफायर के माध्यम से क्वालीफाई किया, जबकि नेपाल और थाईलैंड ने मई में एशिया से क्वालीफाई किया। तीन और टीमों का फैसला होना बाकी है और वे अफ्रीका और पूर्वी-एशिया प्रशांत क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से 10 टीमों के क्वालीफायर में जगह बनाएंगी। वैश्विक क्वालीफायर में भाग लेने वाली 10 टीमों में से चार टीमें टी20 विश्व कप में जगह बनाएंगी।

हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के पहले दिन खिलाड़ी मन्नत बरार पहले राउंड में आगे

एजेंसी

होसुर (तमिलनाडु)। गोल्फर मन्नत बरार ने हीरो विमेंस प्रो गोल्फ टूर के 12वें चरण के पहले दिन शानदार खेल दिखाते हुए लीड अपने नाम की। क्लोवर ग्रीन्स पर खेले जा रहे 15 लाख रुपये इनामी प्रतियोगिता में मननत ने 2-अंडर 70 का कार्ड खेला, जो दिन का एकमात्र अंडर-पार स्कोर रहा। पिछले हफ्ते 11वें चरण (प्रेस्टीज गोल्फशायर) में संयुक्त आठवें स्थान पर रही मननत ने इस बार बेहतरीन वापसी की और दूसरे स्थान पर मौजूद कृति चौहान, जैस्मिन शेखर और अनन्या गर्ग (ईवन पार 72) पर दो शॉट्स की बढ़त बनाई। मन्नत ने पहले ही होल पर बर्डी लगाई लेकिन चौथे और छठे होल पर बोगी कर बैठीं। इसके बाद उन्होंने नौवें से 12वें होल तक लगातार चार बर्डी मारकर शानदार लय पकड़ी। हालांकि, आखिरी होल

(18वां पार-3) पर बोगी से उनका राउंड 2-अंडर 70 पर खत्म हुआ। कृति चौहान ने दूसरे और तीसरे होल पर बर्डी की, लेकिन सातवें और आठवें होल पर बोगी से बराबरी पर लौट आईं। इसके बाद उन्होंने लगातार 10 होल पार खेले।पहले भी कई खिताब जीतने वाली जैस्मिन शेखर ने पांचवें होल पर बर्डी की और फिर 11वें से 13वें तक तीन लगातार बर्डी लगाईं। हालांकि आठवें, नौवें, 14वें और 16वें होल पर बोगी के कारण उनका स्कोर ईवन पार रहा। अनन्या गर्ग ने तीन बर्डी और तीन बोगी खेलते हुए 72 का कार्ड बनाया। अन्य खिलाड़ियों में आराध्या शेट्टी और प्रोफेशनल रिया झा ने 1-ओवर 73 का कार्ड खेला और संयुक्त पांचवें स्थान पर रहीं। वहीं, पिछले हफ्ते की रनर-अप शौकिया खिलाड़ी लावण्या गुप्ता (74) सहित चार अन्य खिलाड़ी संयुक्त सातवें स्थान पर रहे। कुछ बड़े नामों की शुरुआत निराशाजनक रही। लेडीज यूरोपियन टूर की खिलाड़ी अमांदीप द्राल और सेहर अतवाल 75 के स्कोर के साथ संयुक्त 12वें स्थान पर रहीं। स्नेहा सिंह (76) 18वें, रिधिमा दिलावरी (77) संयुक्त 19वें और रिया पुरवी सरवणन (79) संयुक्त 23वें स्थान पर रहीं।

फुजैराह ग्लोबल शतरंज : विश्व जूनियर चैम्पियन प्रणव नें शीर्ष वरीय निहाल को हराया

एजेंसी

फुजैराह। संयुक्त अरब अमीरात में चल रहे पहले फुजैराह टूर्नामेंट का आगाज़ सनसनीखेज़ अंदाज़ में हुआ। मौजूदा विश्व जूनियर चैम्पियन भारत के प्रणव वेंकटेश ने शीर्ष वरीय और हाल ही में एशियन 2025 के रजत पदक विजेता हमवतन निहाल सारिन को मात देते हुए शानदार जीत दर्ज की। काले मोहरो से खेल रहे निहाल सिसिलियन ओपनिंग में खेल के मध्य में लगातार दबाव झेलते रहे, जगह की कमी के कारण उनके मोहरो को खेल में सक्रिय होने में ख़ासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और ऐसे में खेल की 29वीं चाल में उनका ऊंट प्रणव के राजा की ओर फँस गया और बाजी उनके हाथ से निकलने लगी हालांकि खेल की 45वीं चाल में प्रणव की एक गलत चाल से निहाल को वापसी का मौका मिला पर वह इसे भुना नहीं पाये और 71 चाल तक चले मुक़ाबले के बाद वह बाजी हार गए । 2700 रेटिंग के बेहद करीब निहाल के लिए यह हार बड़ा झटका है और खेल के बाद वह बेहद निराश नजर आए , पिछले ही हफ्ते चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में निहाल नें प्रणव को पराजित किया था और इस तरह प्रणव नें अपनी हार का हिसाब निहाल से बराबर कर लिया है । सुपर स्टार टूर्नामेंट में कुल दुनिया के चुनिन्दा 44 खिलाड़ी भाग ले रहे है और इसकी औसत रेटिंग 2606 है जो इसे बेहद खास बनाती है और पहले दिन कई उलटफेर देखने को मिले , दूसरे वरीय भारत के रौनक साधवानी को फीडे के अलेक्सी ग्रेबनेव नें ड्रॉ पर रोका तो तीसरे वरीय अमीन तबातबाई को रोमानिया के अलेक्ज़ेंडर मोत्यलेव नें पराजित करते हुए सभी को चौंका दिया । भारत के एस एल नारायणन ने अमेरिका के जीएम सैम शेंक्लैंड से बाज़ी ड्रॉ खेली तो भारत के प्रणव आनंद नें मेज़बान यूएई के दिग्गज जीएम सलेम सालेह को रोका। ग्रांड मास्टर प्रनेश एम ने मैक्सिको के जीएम जोस मार्टिनेज अलकांतारा के साथ अंक बाँटा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की जर्सी का अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 शुरू होने में अब सिर्फ 30 दिन बाकी हैं। ऐसे में भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने नई दिल्ली के एक होटल में भारतीय टीम की आधिकारिक जर्सी का अनावरण किया। समारोह में 73 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा पर प्रकाश डाला गया, जो 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक घरेलू धरती पर प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रहा है। इस लॉन्च कार्यक्रम में पीसीआई की ब्रांड एंबेसडर प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत, पीसीआई के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया, विश्व पैरा एथलेटिक्स के प्रमुख पॉल फिट्जगेराल्ड और भारत के शीर्ष पैरा एथलीट जैसे प्रीति पाल, सिमरन, रिंकू, धर्मबीर, देवेंद्र कुमार, अमीषा रावत, श्रेयांश त्रिवेदी, वरुण सिंह भाटी और प्रणव सूरमा भी उपस्थित थे। समारोह में कंगना रनौत ने कहा कि इस क्षण का हिस्सा बनना वास्तव में बहुत खास है। हमारे पैरा एथलीट असली हीरो हैं जो अपनी लगन और ताकत से लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं। इस जर्सी लॉन्च के साथ टीम इंडिया की घोषणा उनकी कड़ी मेहनत, एकता और जुनून का प्रतीक है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे वैश्विक मंच पर तिरंगे को और भी चमकाएंगे।

पीसीआई के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा कि आज की जर्सी लॉन्च और हमारी मजबूत टीम इंडिया की घोषणा सिर्फ एक वर्दी का अनावरण भर नहीं है; यह हमारे पैरा एथलीटों के साहस, दृढ़ संकल्प और जोश का उत्सव है। हमें विश्वास है कि यह टीम नई दिल्ली में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी।

तीरंदाजी प्रीमियर लीग का उद्घाटन सत्र 2 अक्टूबर से, लीग का लोगो लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने बहुप्रतीक्षित आर्चरी प्रीमियर लीगके पहले सीजन की तारीखों और स्थल की घोषणा की। यह लीग 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक नई दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। इस मौके पर संघ ने लीग का लोगो भी लॉन्च किया, जो तीरंदाजी खेल की ऊर्जा, एकाग्रता और सटीकता का प्रतीक है।भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हम इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। यह लीग न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तीरंदाजी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। तारीखों का चयन खिलाड़ियों के शेड्यूल, उनके कार्यभार और दिल्ली के मौसम को ध्यान में रखकर किया गया है। इस लीग के जरिए हम

विश्वस्तरीय प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ-साथ भारत की समृद्ध तीरंदाजी विरासत को भी प्रदर्शित करेंगे। संघ के महासचिव वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, नई दिल्ली में आर्चरी प्रीमियर लीग की मेजबानी हमारे लिए गर्व की बात है। इसका गतिशील प्रारूप और समावेशी दृष्टिकोण रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाजी दोनों को अप्रत्याशित दृश्यता प्रदान करेगा। हम अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का स्वागत करने को उत्साहित हैं और दर्शकों को एक रोमांचक एवं सांस्कृतिक रूप से जुड़ा अनुभव देने के लिए तैयार हैं।÷ इस टूर्नामेंट में पहली बार टीम-आधारित प्रारूप देखने को मिलेगा। इसमें कुल छह फ्रेंचाइजी होंगी, जिनमें 36 भारतीय और 12 अंतरराष्ट्रीय शीर्ष तीरंदाज शामिल होंगे। फ्रेंचाइजियों से जुड़ी जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी।

गंभीर की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, हाई कोर्ट ने इस मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने से किया इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान मुख्य कोच गौतम गंभीर के खिलाफ निचली अदालती कार्यवाही रोकने की याचिका से सहमत नहीं है। गंभीर, उनके फाउंडेशन और परिवार के सदस्यों पर अवैध रूप से कोविड-19 की दवाइयां वितरित करने के आरोप हैं। गंभीर के खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने की याचिका दायर की गई थी। हालांकि न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने दृढ़ता से कहा कि अदालत इस अनुरोध पर विचार करेगी। न्यायाधीश ने कहा, अगर आपने एक साधारण अनुरोध किया होता, तो मैं उस पर विचार करती। आप मुझे बहुत सी बातें बताने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे पहले (पार्टी का) नाम, उनकी साख, उनके द्वारा किए गए कार्य। आप नाम उछालने की कोशिश कर रहे हैं जैसे कि यह अदालत में काम करेगा। यह काम नहीं करता।% अदालत की सुनवाई 8 सितंबर को होनी थी। यह भी कहा गया कि पूर्व सांसद और क्रिकेटर ने लॉकडाउन के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाइयां दान की थीं। हालांकि, उच्च न्यायालय अपने मूल रुख से पीछे नहीं हटा। उच्च न्यायालय ने कहा कि एक बार स्थगन आदेश लागू हो जाने पर सुनवाई तुरंत रुक जाती है, जांच रुक जाती है ।

यूपी स्टेट 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप : प्रयागराज के मयंक और जाहिब जीते

एजेंसी

प्रयागराज। राजा राम कुमार भार्गव स्मृति 6 रेड उत्तर प्रदेश राज्य स्नूकर चैम्पियनशिप में प्रयागराज के मयंक चतुर्वेदी और अली जाहिब ने अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। अन्य मुकाबलों में रामपुर के फराज खान, शिकोहाबाद के प्रतीक चौधरी, वाराणसी के लवेश खट्टर व अरशद अली, लखनऊ के गौतम सिंह विजयी रहे। पीसीएसए सचिव विनायक अग्रवाल ने बताया कि बैज बॉल स्नूकर अकादमी में तीसरे दिन की शुरुआत शिकोहाबाद के खिलाड़ी प्रतीक चौधरी के शानदार क्यूइंग कौशल के प्रदर्शन के साथ हुई। जिन्होंने प्रयागराज के यशवर्धन सिंह के खिलाफ मैच खेला। पहले ही फ्रेम में, उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को फाउल से बचाने के लिए पसीने छुड़ा दिए। उन्होंने यशवर्धन को इतनी खूबसूरती से स्नूकर किया कि उनके लिए रेड पॉट करना मुश्किल हो गया। उन्होंने आसानी से टेबल क्लियर कर ली, 40 का ब्रेक बनाया और फ्रेम जीत लिया। अगले फ्रेम में यशवर्धन ने स्कोर बराबर करने की कोशिश की, लेकिन वह चूक गए। तीसरे फ्रेम में, यशवर्धन को शुरुआत में थोड़ी राहत मिली, लेकिन जल्द ही वह मुश्किल स्थिति में फंस गए जब उन्होंने स्पाइडर का इस्तेमाल करके पिंक कार्ड खेलने की कोशिश की, लेकिन चूक गए और फ़ाउल कर बैठे। इससे प्रतीक को टेबल क्लियर करके फ्रेम जीतने का शानदार मौका मिला। चौथे और आखिरी फ्रेम में, हताश यशवर्धन ने एक बहुत ही मुश्किल येलो कार्ड पॉट किया, लेकिन क्यू बॉल को इतना पीछे नहीं कर पाए कि रेड कार्ड मिल जाए। प्रतीक ने फिर से कुछ बेहतरीन शॉट लगाए, टेबल क्लियर किया, 27 का ब्रेक बनाया और फ्रेम और मैच (4-0) अपने नाम कर लिया। प्रयागराज के अली जाहिब और वाराणसी के मोहम्मद सादिक के बीच खेले गए मैच में, दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे के बराबरी पर थे और मैच को निर्णायक फ्रेम तक ले गए। लेकिन किस्मत ने अली जाहिब का साथ दिया और मोहम्मद सादिक एक आसान ब्लू कार्ड चूक गए और फ्रेम अली जाहिब के नाम कर दिया। अली जाहिब ने मैच 4-3 से जीत लिया। प्रयागराज के एक और क्यू खिलाड़ी मयंक चतुर्वेदी ने बिजनौर के अपने प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद आदिल को 4-2 से हराया। मयंक ने बहुत ही समझदारी भरा खेल दिखाया। उन्होंने बेहतरीन पॉटिंग कौशल दिखाए और अपने प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा।लखनऊ के प्रतीक मेहरोत्रा और वाराणसी के लवेश खट्टर के बीच एक बेहद दिलचस्प मुकाबला खेला गया। प्रतीक ने पहले फ्रेम में पॉटिंग में शानदार सटीकता दिखाई और 22 का ब्रेक लगाकर आखिरी 4 कलर क्लियर करते हुए 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे फ्रेम से लवेश ने खुद को संयमित किया और सेफ्टी शॉर्ट्स पर ज़्यादा ध्यान देकर खेल की गति धीमी कर दी। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को टेबल से दूर रखने की पूरी कोशिश की। उन्होंने प्रतीक को मौके देना बंद कर दिया और खेल पर नियंत्रण बनाकर 4-1 से जीत हासिल की। रामपुर के युवा खिलाड़ी फराज खान ने प्रयागराज के यूसुफ़ मतलूब का डटकर सामना किया। एक ओर जहां यूसुफ ने अपने पॉटिंग कौशल का आक्रामक प्रदर्शन करते हुए खेल में 1-0 की बढ़त बना ली, वहीं दूसरी ओर फराज ने अपने संयम पर पूरा नियंत्रण दिखाया। शानदार स्नूकर कौशल का प्रदर्शन किया और बाकी फ्रेम अपने प्रतिद्वंद्वी से छीनकर 4-1 से जीत हासिल की। लखनऊ के क्यू खिलाड़ी गौतम सिंह और प्रयागराज के स्थानीय खिलाड़ी मोहम्मद फरहान अली के बीच हुए मैच में, दोनों खिलाड़ियों को बीच-बीच में मौके मिले, लेकिन गौतम ने सभी फ्रेम में बाजी मार ली और फरहान अली को 4-0 से हरा दिया।

पंजाब नेशनल बैंक ने नई दिल्ली में पहली स्टार्टअप शाखा खोली, एसटीपीआई से समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने नई दिल्ली में अपनी पहली स्टार्टअप-केंद्रित शाखा खोली है। इस शाखा का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और बैंकिंग समाधान के सभी पहलुओं सहित स्टार्टअप्स के माध्यम से नवाचार का समर्थन करना है। इसके अलावा पात्र स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता देने के लिए पीएनबी और एसटीपीआई के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।इस शाखा का उद्घाटन सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के महानिदेशक अरविंद कुमार और पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्रा की उपस्थिति में किया गया। इसके अलावा पीएनबी के महाप्रबंधक सुधीर दलाल और एसटीपीआई के निदेशक सुबोध सचान ने पात्र स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पीएनबी के मुताबिक एसटीपीआई बैंक के साथ इनक्यूबेटेड, ऑनबोर्डेड या ग्रेजुएटेड स्टार्टअप्स की एक चयनित सूची साझा करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह समझौता पीएनबी की स्टार्टअप केंद्रित योजनाओं और वित्तीय उत्पादों तक पहुंच को सुगम बनाने के लिए स्टार्टअप्स और वित्तीय संस्थानों के बीच एक सेतु का काम करेगा।

टाटा स्टील पर अमेरिकी टैरिफ का कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं, भारत में स्टील की मांग बढ़ रही : टीवी नरेंद्रन

पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर के सर दोराबजी टाटा पार्क में सर दोराबजी टाटा की जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह में टाटा स्टील के एमडी और सीईओ टीवी नरेंद्रन ने कहा कि अमेरिका के 50 प्रतिशत आयात शुल्क का टाटा स्टील की भारतीय इकाइयों पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा। नरेंद्रन ने कहा कि टाटा स्टील भारत या जमशेदपुर से अमेरिका में स्टील का निर्यात नहीं करती, बल्कि यूरोप स्थित प्लांट से अमेरिकी बाजार में निर्यात होता है, जहां कुछ हद तक असर संभव है। नरेंद्रन ने यह भी बताया कि भारत में स्टील की घरेलू मांग तेजी से बढ़ रही है और सरकार द्वारा किए जा रहे आर्थिक सुधारों–जैसे जीएसटी में बदलाव और नीतिगत सुधारों–से भारतीय अर्थव्यवस्था और भी मजबूत हो रही है। हालांकि उन्होंने माना कि अमेरिकी टैरिफ का असर टेक्सटाइल, ज्वेलरी और जेम्स इंडस्ट्री पर पड़ सकता है, लेकिन इससे निपटने के लिए भारत सरकार निरंतर बैठकें कर रही है और उचित समाधान खोजे जा रहे हैं। इस अवसर पर टाटा स्टील के एमडी ने कहा कि कंपनी पिछले 119 वर्षों से राष्ट्र की सेवा कर रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने बताया कि टाटा स्टील हाइड्रोजन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयास कर रही है ताकि पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन को बढ़ावा जा सके।

गेहूं-चावल सस्ता, खाद्य तेलों-दालों में घटबढ़, चीनी मजबूत

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल और गेहूं के औसत भाव बढ़ गये। चीनी की कीमतों में भी तेजी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 19 रिंगिट चढ़कर 4,489 रिंगिट प्रति टन बोला गया। वहीं, अमेरिका सोया तेल वायदा 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 53.47 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 75 रुपये घटकर 3,764.08 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 33 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी के साथ 2,804.78 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 22 रुपये टूटकर 3,271.26 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। सरसों तेल औसतन 85 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। सूरजमुखी तेल 26 रुपये और मूंगफली तेल 83 रुपये चढ़ गया। वनस्पति 47 रुपये और पाम ऑयल 90 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। सोया तेल 41 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 35 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। चना दाल 26 रुपये और उड़द दाल 34 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। मूंग दाल में छह रुपये की गिरावट रही। मसूर दाल की कीमत छह रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।

पहली छमाही में घरों की सुस्त बिक्री के बाद डेवलपर्स को त्योहारी मौसम से उम्मीद

नई दिल्ली। इस साल पहली छमाही में घरों की बिक्री में सुस्ती के बाद निवेशक त्योहारी सीजन में मांग आने की उम्मीद कर रहे हैं। हाउसिंग डॉट कॉम की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गणेश उत्सव से शुरू होकर नवरात्रि और दिवाली तक हर साल देश में सबसे अधिक लोग घर खरीदते हैं। यह त्योहारी मौसम वार्षिक बिक्री में लगभग एक-तिहाई योगदान देता है। रियल एस्टेट के बारे में डिजिटल जानकारी देने वाली कंपनी आरईए इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीन शर्मा ने कहा कि साल 2025 की पहली छमाही अपेक्षाकृत संतुलित रही है। त्योहारी मौसम में नये उत्साह के साथ डेवलपर आकर्षक पेशकश के साथ बड़े प्रोजेक्ट पेश करने की तैयारी में हैं। उसने उम्मीद जतायी कि मध्यम और प्रीमियम सेगमेंट में स्थिर मांग, उपभोक्ता विश्वास में सुधार, और लाइफस्टाइल आधारित हाउसिंग पर बढ़ते फोकस के कारण चौथी तिमाही मांग में सुधार होगा। हाउसिंग डॉट कॉम ने बताया कि पिछले पाँच वर्षों में (2020-24) सितंबर से दिसंबर तक के चार महीने लगातार हाउसिंग बिक्री के लिए सबसे मजबूत साबित हुये हैं।

सीएटीसीए ने छत्तीसगढ़ की कंपनियों के साथ बी2बी साझेदारी में रुचि दिखाई : मुख्यमंत्री

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर एसोसिएशन (सीटीसीए) के चेयरमैन ली जे जेंग एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। सीएटीसीएएक सशक्त औद्योगिक नेटवर्क है, जिसमें आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल क्षेत्र की 60 से अधिक प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सीएटीसीए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सभी संभावित निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ली जे जेंग और उनके साथ आए वरिष्ठ अधिकारियों को आमंत्रित किया कि वे अपने आगामी भारत दौरे के दौरान छत्तीसगढ़ अवश्य आएं और राज्य में उपलब्ध निवेश व सहयोग की संभावनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करें। सीएटीसीए ने छत्तीसगढ़ की कंपनियों के साथ बी2बी साझेदारी में

रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी और एम्स जैसे राष्ट्रीय संस्थान मौजूद हैं, जो विश्वस्तरीय प्रतिभा उपलब्ध कराते हैं। राज्य का 'प्लग एंड प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर और सशक्त लॉजिस्टिक्स नेटवर्क छत्तीसगढ़ को सीएटीसीए के अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और भारत में उनके विस्तार का स्वाभाविक हब बनाता है। विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित हो रहा है और यहां उद्योग-अनुकूल नीतियां, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, कुशल मानव संसाधन तथा मजबूत बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे उभरते क्षेत्रों में सीएटीसीए कंपनियां यहां आकर निवेश करें और साझेदारी के नए आयाम स्थापित करें। इससे प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा और स्थानीय उद्योगों को भी नई ताकत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स इन कोरिया (आईसीसीके) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिए असीम संभावनाओं की धरती है। उन्होंने उल्लेख किया कि दक्षिण कोरिया भारत के शीर्ष तीन इस्पात निर्यात गंतव्यों में शामिल है ।

सीआरआईटी केंद्र भारत के व्यापार हितों को आगे बढ़ाने में निभा रहे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां : वाणिज्य सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान केंद्र (सीआरआईटी) केंद्र भारत के व्यापारिक हितों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। वाणिज्य सचिव ने राजधानी नई दिल्ली के तीन मूर्ति भवन स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय में आयोजित व्यापार एवं निवेश विधि केंद्र (सीटीआईएल) के 8वें वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम के बतौर मुख्यातिथि सुनील बर्थवाल ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि इन केंद्रों द्वारा किया जा रहा कार्य भारत के राष्ट्रीय हितों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यापार वार्ताओं की गोपनीयता बनाए रखने के लिए इनकी स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण है, साथ ही यह मजबूत आंतरिक क्षमता के विकास में भी योगदान देगा। वाणिज्य मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अपने संबोधन में राज्य की क्षमता विकास में वकीलों और थिंक टैंकों की भूमिका पर ज़ोर दिया, जिसका शासन कला में रणनीतिक महत्व है। चंद्रचूड़ ने कहा कि सीटीआईएल की भूमिका व्यापार और निवेश कानून के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता और कौशल लाकर सरकार की क्षमता को बढ़ाने में है। उन्होंने बताया कि कैसे क्षमता निर्माण की पहलों ने व्यापार वार्ताओं और समझौतों में परिणाम देने शुरू कर दिए हैं। चंद्रचूड़ ने ट्रेडलैब जैसे अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रमों में सीटीआईएल के प्रयासों का उल्लेख किया और अन्य विधि विद्यालयों में इसके विस्तार की वकालत की।

कैबिनेट ने 12,328 करोड़ रुपये की लागत से चार रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल मंत्रालय की चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। इनकी कुल अनुमानित लागत 12,328 करोड़ रुपये है। इनमें एक नई रेल लाइन परियोजना गुजरात के कच्छ क्षेत्र में तथा तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम में शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी। मंजूर की गई परियोजनाओं में देशलपार-हाजीपीर-लूना एवं वायोर-लाखपत नई रेल लाइन, सिकंदराबाद (सनथनगर)-वाडी तीसरी एवं चौथी लाइन, भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन तथा फुरकेटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण शामिल हैं। गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली ये चार परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 565 किलोमीटर बढ़ा देंगी। सरकार के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों और माल दोनों का निर्बाध और तेज़ परिवहन सुनिश्चित करना है। ये पहल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और यात्रा सुविधा में सुधार के साथ-साथ रसद लागत को कम करेंगी और तेल आयात पर निर्भरता कम करेंगी। इसके अतिरिक्त, ये परियोजनाएं सीओ2 उत्सर्जन को कम करने में योगदान देंगी, जिससे टिकाऊ और कुशल रेल संचालन को बढ़ावा मिलेगा। परियोजनाओं से निर्माण अवधि के दौरान करीब 251 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।प्रस्तावित नई रेल लाइन कच्छ क्षेत्र के सुदूर इलाकों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह गुजरात के मौजूदा रेलवे नेटवर्क में 145 रूट किमी और 164 ट्रैक किमी जोड़ेगी। इस पर 2526 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है और इसे तीन वर्षों में पूरा किया जाएगा। गुजरात राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा, यह नई रेल लाइन नमक, सीमेंट, कोयला, क्लिंकर और बेंटोनाइट के परिवहन में भी मदद करेगी। इस परियोजना का सामरिक महत्व यह है कि यह कच्छ के रण को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। हड़प्पा स्थल धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लखपत किला भी रेल नेटवर्क के अंतर्गत आएंगे क्योंकि 13 नए रेलवे स्टेशन बनाए जाएंगे जिससे 866 गांवों और लगभग 16 लाख आबादी को लाभ होगा। कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए, स्वीकृत तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 3,108 गांवों और लगभग 47.34 लाख की आबादी और एक आकांक्षी जिले (कलबुर्गी) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इससे कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम राज्यों को लाभ होगा। इसमें कर्नाटक और तेलंगाना में फैली 173 किमी लंबी सिकंदराबाद (सनथनगर)- वाडी तीसरी एवं चौथी लाइन पर 5012 करोड़ रुपये खर्च होंगे और यह पांच साल में पूरी होगी।

पीएम स्वनिधि योजना की ऋण अवधि के पुनर्गठन और विस्तार को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना' की ऋण अवधि के पुनर्गठन और विस्तार को मंजूरी दी है। ऋण अवधि अब पिछले वर्ष 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च 2030 कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को आज मंजूरी दी। इस योजना का कुल परिव्यय 7,332 करोड़ रुपये है। पुनर्गठित योजना का लक्ष्य 50 लाख नए लाभार्थियों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाना है। एक सरकारी बयान के अनुसार पुनर्गठित योजना की प्रमुख विशेषताओं में पहली और दूसरी किस्त में बढ़ी हुई ऋण राशि, दूसरा ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों के लिए यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड का प्रावधान और खुदरा एवं थोक लेनदेन के लिए डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन शामिल हैं। इस योजना का दायरा वैधानिक शहरों से आगे बढ़कर जनगणना शहरों, अर्ध-शहरी क्षेत्रों आदि तक चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जा रहा है। उन्नत ऋण संरचना में पहली किस्त के ऋण को बढ़ाकर 15 हजार रुपये (10 हजार रुपये से) और दूसरी किस्त के ऋण को बढ़ाकर 25 हजार रुपये (20 हजार रुपये से) कर दिया गया है, जबकि तीसरी किस्त 50 हजार रुपये पर अपरिवर्तित रहेगी यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड की शुरुआत से रेहड़ी-पटरी वालों को किसी भी आकस्मिक व्यावसायिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तुरंत ऋण उपलब्ध होगा। इसके अलावा, डिजिटल अपनाने को बढ़ावा देने के लिए, रेहड़ी-पटरी वाले खुदरा और थोक लेनदेन पर 16 सौ रुपये तक के कैशबैक प्रोत्साहन का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना उद्यमिता, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल कौशल और विपणन पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेहड़ी-पटरी वालों की क्षमता निर्माण पर भी केंद्रित है। एफएसएसएआई के साथ साझेदारी में रेहड़ी-पटरी वालों के लिए मानक स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान अभूतपूर्व कठिनाइयों का सामना करने वाले रेहड़ी-पटरी वालों की सहायता के लिए 1 जून 2020 को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना शुरू की थी। हालांकि, इस योजना की शुरुआत से ही यह रेहड़ी-पटरी वालों के लिए वित्तीय सहायता से कहीं बढ़कर साबित हुई है और इसने उन्हें अर्थव्यवस्था में उनके योगदान के लिए एक पहचान और औपचारिक मान्यता प्रदान की है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने पहले ही महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर ली हैं। 30 जुलाई तक 68 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी वालों को 13,797 करोड़ रुपये के 96 लाख से अधिक ऋण वितरित किए जा चुके हैं।

भारत में फरवरी 2025 तक 56.75 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हुए : केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में तेजी के इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाया जा रहा है और फरवरी 2025 तक 56.75 लाख ईवी पंजीकृत हुए हैं। यह जानकारी सरकारी डेटा में दी गई। डेटा के अनुसार, वित्त वर्ष 25 में देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 11.49 लाख यूनिट्स रही थी, जो कि पिछले वित्त वर्ष के आंकड़े 9.48 लाख यूनिट्स से 21 प्रतिशत अधिक थी। यह आंकड़े बताते हैं कि लोग तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। सरकार ने भी 2030 तक कुल वाहनों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। सरकार ईवी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिसमें हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेज अपनाना और निर्माण (फेम-2), पीएम ई-ड्राइव, प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम,

पीएम ई-बस सेवा शामिल हैं। फेम-2 की सफलता को देखते हुए सरकार ने फेम-3 स्कीम को शुरू किया है, जिसके तहत 16,29,600 ईवी वाहनों को सपोर्ट किया जा रहा है, जिसमें दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया वाहन और बस शामिल हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए, भारी उद्योग मंत्रालय ने मार्च 2023 में तीन तेल कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन - को पूरे भारत में अपने ईंधन आउटलेट पर 7,432 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 800 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। मार्च 2024 में, 980 चार्जिंग स्टेशनों को अपग्रेड करने के लिए अतिरिक्त 73.50 करोड़ रुपए मंजूर किए गए थे। 9,332 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पीसीएस की स्थापना के लिए कुल 912.50 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इसके तहत 30 जून, 2025 तक 8,885 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पीसीएस स्थापित किए जा चुके हैं, जो देश के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सरकार ने आकाश त्रिपाठी को सेकी का प्रबंध निदेशक किया नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आकाश त्रिपाठी को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड (सेकी) का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है।

सेकी ने जारी एक बयान में कहा कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने 1998 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी त्रिपाठी को भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव के पद और वेतन पर उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। बयान में कहा गया है, आईएएस आकाश त्रिपाठी को एमडी नियुक्त किया गया है, जबकि संतोष सारंगी चेयरमैन बने रहेंगे। इसके साथ ही सेकी का नेतृत्व ढांचा अब औपचारिक हो गया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव आईएएस संतोष सारंगी अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। संतोष सारंगी ने जारी बयान में कहा, त्रिपाठी की नियुक्ति से बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, बेहतर संस्थागत समन्वय और हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और हरित

ऊर्जा परियोजनाओं जैसी उभरती प्राथमिकताओं के क्रियान्वयन के लिए समर्पित नेतृत्व मिलेगा। सेकी ने कहा कि हमें नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड (सेकी) के नए प्रबंध निदेशक के रूप में 1998 बैच के एमपी कैडर के आईएएस अधिकारी आकाश त्रिपाठी का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

योगी सरकार में देश के दिग्गज निवेशकों को भाया गोरखपुर

● अडानी समूह और कोका कोला के प्रमुख बॉटलर ने भी उद्योग लगाने को ली जमीन

एजेंसी

गोरखपुर। दशकों तक जिस गोरखपुर में स्थानीय पूंजीपति भी औद्योगिक निवेश करने से घबराते थे, योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार की प्रोत्साहनपरक नीतियों, कारोबारी सुगमता और शानदार कनेक्टिविटी से अब वहां नामी कंपनियों के आने की होड़ सी दिखती है। निवेशकों की डिमांड के अनुरूप गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने न केवल लैंड बैंक समृद्ध किया है बल्कि साल दर साल औद्योगिक भूखंडों का आवंटन भी तेज हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में तो गीडा ने अब तक 54 नई यूनिट्स के लिए रिकार्ड 182 एकड़ भूमि का आवंटन किया है। इससे 5800 करोड़ रुपये के नए पूंजी निवेश के साथ 8500 लोगों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

योगी सरकार में देश के दिग्गज निवेशकों को भाया गोरखपुर:लंबे दौर तक पहचान को जूझता रहा गोरखपुर अब इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी के मामले में मजबूत होकर औद्योगिक नक्शे पर भी चमक गया है। जिस जिले से उद्यमियों ने मुंह फेर लिया था, वहां 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से औद्योगिक प्रगति का ऐसा माहौल बनना शुरू हुआ कि देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां, यहां तक कि मल्टीनेशनल भी इंडस्ट्री लगा रही हैं।

औद्योगिक प्रगति के नए कालखंड में सिर्फ गत पांच साल की बात करें तो इस दौरान गीडा को 9445 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले और इसके जरिये 22922 रोजगार सृजन संभव हुआ। इसमें मल्टीनेशनल ब्रांड पेप्सिको, केयान डिस्टिलरी, ज्ञान डेयरी, टेक्नोप्लास्ट और केंद्रीय भंडारण निगम, कपिला कृषि उद्योग, एपीएल अपोलो ट्यूब्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं। गोरखपुर में अडानी समूह ने अंबुजा ब्रांड सीमेंट फैक्ट्री की नई यूनिट और कोका कोला के प्रमुख बॉटलर अमृत बॉटलर्स ने भी यूनिट लगाने को जमीन ले ली है। यही नहीं, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और श्री सीमेंट्स ने भी निवेश की उत्सुकता दिखाते हुए गीडा से औद्योगिक जमीन मांगी है। श्री सीमेंट्स की टीम पहले ही जमीन देखने के लिए दौरा कर चुकी है जबकि रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रतिनिधि विजिट पर आए थे। अपने पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्र के साथ गीडा ने गोरखपुर के दक्षिणांचल में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप को भी औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना शुरू कर दिया है। गत दिनों यहां दो बड़े औद्योगिक निवेश के लिए भूमि का आवंटन किया जा चुका है। गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुज मलिक का कहना है कि मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में गोरखपुर में निवेश और औद्योगिक विकास का शानदार इको सिस्टम तैयार हुआ है। गीडा द्वारा निवेशकों की मांग और पसंद के अनुरूप जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। इसका नतीजा है कि यहां औद्योगिक निवेश लगातार बढ़ रहा है।

जीएसटी काउंसिल 31 अक्टूबर तक सेस कर सकती है खत्म

एजेंसी

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर परिषद की बैठक 3 सितंबर को होने जा रही है। इस बैठक में 31 अक्टूबर तक क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त करने पर चर्चा की जा सकती है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर 31 मार्च, 2026 को समाप्त होने वाला था। हालांकि, उपकर संग्रह को पहले ही समाप्त करने के लिए चर्चाएं शुरू हो गई हैं, क्योंकि कोरोना महामारी के दौरान राज्यों को राजस्व की कमी की भरपाई के लिए, लिए गए ऋण पूरी तरह से चुकाने के करीब पहुंच रहे हैं।

यह पुनर्भुगतान 18 अक्टूबर के आसपास पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन सरकार सुचारू संचालन के लिए इसे अक्टूबर के अंत तक बढ़ा सकती है। सरकारी सूत्रों के हवाले से रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि उपकर संग्रह से लगभग 2,000-3,000 करोड़ रुपए का अधिशेष प्राप्त हो सकता है, जिसे केंद्र और राज्यों के बीच समान रूप से साझा किया

जाएगा। कानून में क्षतिपूर्ति के लिए उपकर को केवल पांच वर्षों के लिए अनिवार्य किया गया था, क्योंकि राज्यों को चिंता थी कि 2017 में जीएसटी लागू होने पर उन्हें कर राजस्व का नुकसान होगा। इसलिए राज्य के राजस्व में कमी की भरपाई के लिए क्षतिपूर्ति उपकर लगाया गया था।केंद्र ने राज्यों की ओर से 2.69 लाख करोड़ रुपए उधार लिए और वित्तीय प्रबंधन में सहायता के लिए उन्हें ऋण के रूप में प्रदान किए। हालांकि, महामारी के दौरान लिए गए ऋणों के भुगतान हेतु, जब राजस्व में तेज गिरावट आई थी, इस उपकर को जून 2022 से मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया था। वस्तु एवं सेवा कर (राज्यों को क्षतिपूर्ति) अधिनियम, 2017 के अनुसार, ऋणों का भुगतान पूरा होने के बाद उपकर संग्रह बंद हो जाएगा। वित्त मंत्रालय ने सभी वस्तुओं पर 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो जीएसटी दरों के लिए जीएसटी परिषद को अपना प्रस्ताव भेजा है, जो मौजूदा चार स्लैब संरचना का स्थान लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुसार, गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को कम करने के उद्देश्य से एक नियोजित जीएसटी सुधार के माध्यम से नागरिकों को इस दिवाली दोहरा बोनस मिलेगा।

अडानी समूह जयप्रकाश एसोसिएट्स का अधिग्रहण करेगा, सीसीआई की मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अडानी समूह की संस्थाओं द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण की योजना को मंजूरी दे दी है। आयोग का विस्तृत आदेश बाद में आएगा। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के मुताबिक योजना के तहत अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड और अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड या समूह की अन्य कंपनियों द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड की शत-प्रतिशत अधिग्रहण किया जाएगा। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड वर्तमान में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, इलाहाबाद पीठ के निर्देशों के अनुसार दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है।

अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड अडानी समूह की कंपनियों के पोर्टफोलियो की प्रमुख कंपनी है। अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, अडाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह अडाणी समूह के सभी रियल्टी व्यवसायों की होल्डिंग कंपनी है। अडाणी समूह का कारोबार ऊर्जा, संसाधन, लॉजिस्टिक्स, सामग्री और कृषि जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड एक विविध अवसंरचना समूह है। इसका व्यवसाय इंजीनियरिंग एवं निर्माण, सीमेंट, बिजली, रियल एस्टेट, उर्वरक, आतिथ्य, खेल आदि क्षेत्रों में है।

भारत की जैव-अर्थव्यवस्था 2030 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी: डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की जैव-अर्थव्यवस्था 2014 में मात्र 10 अरब डॉलर थी, जो आज बढ़कर 165.7 अरब डॉलर हो गई। 2030 तक जैव अर्थव्यवस्था 300 अरब डॉलर के लक्ष्य हासिल कर लेगी। बायो ई 3 नीति के एक साल पूरे होने के मौके पर नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने पिछले एक साल में बायो ई 3 नीति के तहत तेजी से प्रगति की है और कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जो देश की जैव-अर्थव्यवस्था को आकार दे रही हैं। इस मौके पर डॉ. जितेन्द्र सिंह ने युवाओं के लिए बायो ई 3 चुनौती और देश के पहले राष्ट्रीय बायोफाउंड्री नेटवर्क का शुभारंभ किया। उन्होंने जैव-प्रौद्योगिकी को भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोज़गार का वाहक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने

अपने हितधारकों के साथ मिलकर कम समय में नए संस्थान स्थापित किए हैं, संयुक्त अनुसंधान पहल शुरू की हैं और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां स्थापित की हैं। देश भर में जैव-कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्रों, जैव-विनिर्माण केंद्रों और जैव-फाउंड्री की स्थापना, और कोशिका एवं जीन थेरेपी, जलवायु-अनुकूल कृषि, कार्बन कैप्चर और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों जैसे उन्नत क्षेत्रों को कवर करने वाले एक दर्जन से अधिक संयुक्त अनुसंधान कॉलों के शुभारंभ का उल्लेख किया। डीबीटी को इन श्रेणियों के अंतर्गत पहले ही 2,000 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।डॉ. जितेंद्र ने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में ग्रुप कैप्टन सुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) समर्थित तीन प्रयोग किए गए थे। राज्य स्तर पर, डीबीटी ने केंद्र-राज्य साझेदारी की पहल की है, जिसमें असम के साथ एक बायो ई 3 प्रकोष्ठ की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन भी शामिल है। वैश्विक स्तर पर, 52 देशों में भारत के मिशनों ने बायो ई 3 नीति पर इनपुट साझा किए हैं, और डीबीटी और विदेश मंत्रालय अनुवर्ती कार्रवाई पर काम कर रहे हैं। इस मौके पर डीबीटी सचिव डॉ. राजेश गोखले ने कहा आज शुरू किए गए दो नई पहल के बारे में कहा कि विभाग स्कूली छात्रों (कक्षा 6-12), विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं, संकाय, स्टार्टअप और भारतीय नागरिकों को स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और उद्योग में चुनौतियों का समाधान करने वाले सुरक्षित जैविक समाधान डिजाइन करने के लिए आमंत्रित करती है। अक्टूबर 2025 से शुरू होने वाले हर महीने की पहली तारीख को इस चुनौती की घोषणा की जाएगी।

पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर जलमग्न, गुरुद्वारा दरबार साहिब बाढ़ से घिरा, 300 लोग फंसे

एजेंसी

नारोवाल (पंजाब)। पाकिस्तान में रावी नदी के उफान पर आने से पंजाब प्रांत का नारोवाल जिला बाढ़ से घिर गया है। करतारपुर कॉरिडोर के जलमग्न हो जाने से बुधवार सुबह लगभग 300 लोग फंस गए। करतारपुर गुरुद्वारा दरबार साहिब तो पूरी तरह जलमग्न हो गया है। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सेना को बुलाया गया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, सेना को पंजाब प्रांत के बाढ़ प्रभावित छह जिलों में तैनात किया गया है। बाढ़ प्रभावित जिलों में नारोवाल प्रमुख है। रावी नदी का पानी गुरुद्वारा दरबार साहिब तक पहुंच गया है। इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बाढ़ का पानी गुरुद्वारा साहिब परिसर में घुस गया है। परिसर के कुछ हिस्सों में पानी का स्तर लगभग तीन फीट तक पहुंच गया है। बाढ़ के कारण गुरुद्वारा प्रांगण और मुख्य सीढ़ियां डूब गई हैं। तीर्थयात्री वहीं फंसे हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल निकासी और सफाई कार्य पूरा होने के बाद ही गुरुद्वारा साहिब के दर्शन शुरू हो पाएंगे। पंजाब के अधिकारियों के अनुसार, लाहौर, फैसलाबाद, ओकारा, कसूर, सियालकोट और नरोवाल जिले में बचाव और राहत कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। सतलुज नदी के किनारे कसूर और गंदा सिंह वाला सहित कई इलाके जलमग्न हो गए हैं।

बांग्लादेश में पुलिस का प्रदर्शनकारी इंजीनियरिंग छात्रों पर लाठीचार्ज, कम से कम 10 घायल

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आज दोपहर देशभर के इंजीनियरिंग विश्वविद्यालयों के प्रदर्शनकारी छात्रों को पुलिस ने बलपूर्वक मुख्य सलाहकार के आवास राज्य अतिथिगृह यमुना की तरफ बढ़ने से रोक दिया। पुलिस ने इसके लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछार की। आखिर में लाठीचार्च कर उन्हें तितर-बितर करने की कोशिश की। पुलिस लाठीचार्च में कम से कम 10 व्यक्ति घायल हो गए। द डेली स्टार और ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार इस प्रदर्शन में बांग्लादेश इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (बीयूईटी) और अन्य इंजीनियरिंग विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हुए। छात्रों ने आज सुबह अपनी तीन सूत्री मांगों को लेकर ढाका में शाहबाग चौराहे को जाम लगा दिया। यहां से छात्र दोपहर करीब एक बजे राज्य अतिथिगृह यमुना की ओर बढ़े। पुलिस ने दोपहर करीब डेढ़ बजे बैरिकेड लगाकर जुलूस को इंटरकॉन्टिनेंटल होटल के पास रोक लिया। पुलिस के अनुसार छात्रों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, इसलिए उन्हें तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया गया। इसके बाद छात्र होटल के सामने बैठ गए, तो पुलिस ने पानी की बौछार शुरू कर दी।

पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश का कहर, अब तक 802 लोगों की मौत, 1,000 से अधिक घायल

इस्लामाबाद । राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 26 जून से अब तक पाकिस्तान में लगातार मानसूनी बारिश और बाढ़ के कारण कम से कम 802 लोगों की जान चली गई है। वहीं, 1,088 अन्य घायल हो गए हैं। खराब मौसम ने बड़े स्तर पर तबाही मचाई है। घरों में पानी भर गया है, जिससे हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है और पूरे देश में आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रयासों पर दबाव पड़ा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां सबसे अधिक 479 लोगों की मौत हुई है। यहां पर 347 लोग घायल हुए हैं। वहीं, पंजाब में 165 लोग मारे गए और 584 घायल हुए, इसके बाद सिंध में 57 लोग मारे गए और 75 घायल हुए, जबकि बलूचिस्तान में 24 लोगों की मौत हुई और 5 लोग घायल हुए। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में 45 लोग मारे गए या घायल हुए, जबकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 24 लोगों की मौत हुई और 29 लोग घायल हुए। इसके अलावा, इस्लामाबाद में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 8 लोगों की मौत हुई और 3 घायल हुए।

श्रीलंका में स्कूल वैन दुर्घटना में दो छात्रों की मौत, 13 घायल

कोलंबो। श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी प्रांत के कुलियापिटिया में एक स्कूल वैन और एक टिपर ट्रक की टक्कर में दो स्कूली छात्रों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए 13 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में वैन का चालक भी शामिल है। सूत्रों ने बताया कि मामले की जाँच जारी है। गौरतलब है कि श्रीलंका में लापरवाही से वाहन चलाने की घटनाओं में बढ़ोत्तरी हो रही है और वर्ष 2024 में 2,541 लोगों की मौत हो गयी थी।

इजराइली हमले में हमास के तकनीकी विशेषज्ञ महमूद अल-असवाद को मारे जाने का दावा

एजेंसी

गाजा पट्टी। इजराइली सेना ने गाजा में ताजा हमले में आतंकवादी समूह हमास का तकनीकी विशेषज्ञ महमूद अल-असवाद के मारे जाने का दावा किया है। इस हमले में पांच अन्य लोगों के भी मारे जाने की खबर है। इनमें गाजा पट्टी में रहने वाले अंतरराष्ट्रीय एथलीट आलम अब्दुल्ला अल-अमौर और चार फिलिस्तीनी नागरिक शामिल हैं। इससे पहले इजराइल के एक अन्य हमले में गाजा के प्रसिद्ध पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी सुलेमान अल-ओबेद की भी जान चुकी है। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के एक्स हैंडल, फिलिस्तीन की समाचार एजेंसी वफा, अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबरों में यह जानकारी दी गई है। आईडीएफ के अनुसार, मारा गया महमूद अल-असवाद पश्चिमी गाजा क्षेत्र में हमास के सामान्य सुरक्षा तंत्र की कमान संभालता था। वह हमास का तकनीकी विशेषज्ञ था।

इसके अलावा दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के दक्षिण-पश्चिम में अल-टीना सहायता केंद्र के पास इजराइली सेना की गोलीबारी में सहायता की प्रतीक्षा कर रहे चार फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए। इजराइली तोपखाने से उत्तर में जबालिया अल-नजला के दक्षिणी इलाकों में आवासीय इमारतों पर गोलाबारी जारी है। इजराइली लड़ाकू विमानों ने मध्य गाजा पट्टी में अल-नुसेरात शरणार्थी शिविर के पश्चिम में अल-सवाराह क्षेत्र में कृषि भूमि पर दो हवाई हमले किए। खान यूनिस में गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के सहायता वितरण केंद्र के पास आईडीएफ की गोलीबारी में गाजा के एथलीट आलम अब्दुल्ला अल-अमौर की जान चली गई। इस पर इजराइली रक्षा बलों ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। तीन हफ्ते पहले ऐसे ही एक हमले में गाजा के प्रसिद्ध पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी सुलेमान अल-ओबेद की जान चली गई थी।

मिनियापोलिस के कैथोलिक स्कूल में गोलीबारी, 3 की मौत, 20 घायल

एजेंसी

मिनियापोलिस। अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में एक कैथोलिक स्कूल में हुई भीषण गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर भी मारे गए लोगों में शामिल हैं। यह घटना एनुंसिएशन कैथोलिक स्कूल (nnunciation Catholic School) में हुई, जो लगभग 395 छात्रों वाला एक निजी प्राथमिक विद्यालय है। गोलीबारी उस समय शुरू हुई जब छात्र सुबह की प्रार्थना में शामिल थे। स्थानीय मीडिया ने बताया कि हमलावर काले कपड़ों में और राइफल से लैस था। मिनियापोलिस पुलिस ने बताया कि स्थिति काबू में है और अब कोई सक्रिय खतरा नहीं है। एफबीआई और होमलैंड सिक्योरिटी मौके पर मौजूद हैं। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज़ ने घटना को 'भयानक हिंसक कृत्य' बताया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दी प्रतिक्रिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि 'मैं इस दुखद घटना पर पूरी तरह से अवगत हूं। एफबीआई ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और वे घटनास्थल पर हैं। व्हाइट हाउस इस भयावह स्थिति पर नजर रखेगा। कृपया मेरे साथ मिलकर इसमें शामिल सभी लोगों के लिए प्रार्थना करें। उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एनुंसिएशन कैथोलिक स्कूल में गोलीबारी हुई। मिनियापोलिस शहर के अधिकारियों के अनुसार, हमलावर को नियंत्रित कर लिया गया है और निवासियों के लिए कोई सक्रिय खतरा नहीं है।

मोल्दोवा की राष्ट्रपति का संदेश- 'मोल्दोवा का फैसला सिर्फ मोल्दोवावासी करेंगे'

एजेंसी

किशिनाउ। मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सांडू ने देश की स्वतंत्रता की 34वीं वर्षगांठ पर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि मोल्दोवा का भविष्य सिर्फ मोल्दोवावासी तय करेंगे। यह बयान उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की मौजूदगी में दिया। इन तीनों यूरोपीय नेताओं ने मोल्दोवा के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेकर देश के यूरोपीय संघ में शामिल होने के प्रयासों के प्रति समर्थन जताया। राष्ट्रपति सांडू ने कहा, यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होना कोई दूर का सपना नहीं बल्कि एक प्रोजेक्ट है जिस पर हम काम कर रहे हैं। बिना ईयू के मोल्दोवा अतीत में फंसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप और मोल्दोवा के बीच फिर कभी दूरी नहीं आनी चाहिए। सांडू ने अपने भाषण में रूस की कथित गतिविधियों का भी जिक्र किया, जिनमें चुनावों में हस्तक्षेप, दुष्प्रचार अभियान, विदेशी फंडिंग से विरोध प्रदर्शन और अन्य प्रयास शामिल हैं, जिनका उद्देश्य मोल्दोवा की ईयू सदस्यता की राह में बाधा डालना है। चुनाव से पहले सांडू ने मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारा भविष्य सुरक्षित तभी होगा जब हम उसकी रक्षा करेंगे। मोल्दोवा का फैसला सिर्फ मोल्दोवावासी करेंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं, जो यह तय करेंगे कि मोल्दोवा यूरोप की राह पर आगे बढ़ता है या नहीं।

नेपाल में फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया एप को सात दिनों का अल्टीमेटम

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को निर्देश दिया है कि वे सात दिनों के भीतर देश में रजिस्टर्ड करें अन्यथा उनकी सेवाएं रोक दी जाएगी। सरकार की तरफ से फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप आदि सोशल मीडिया साइट्स को नेपाल में पंजीकरण के लिए बार-बार आग्रह करने के बाद भी यहां रजिस्टर्ड नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इन सोशल मीडिया साइट्स को अंतिम बार सात दिनों का समय देने का फैसला किया गया। कैबिनेट के इस निर्णय के बारे में सरकार के प्रवक्ता और संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने बताया कि बार बार आग्रह करने के बाद भी इसकी अनदेखी करने के कारण सरकार को कड़े कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुरूप, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को निर्धारित समय के भीतर अपना रजिस्ट्रेशन का काम पूरा करना होगा। गुरूंग ने बताया कि अनुपालन में विफल रहने वाले प्लेटफार्मों को नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण द्वारा देश के भीतर निष्क्रिय करने का निर्देश दिया जाएगा। सोशल मीडिया प्रबंधन दिशा-निर्देशों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत जारी किए गए निर्देश में सभी सोशल मीडिया ऑपरेटरों को जवाबदेह और जिम्मेदार होने की बात कही गई है। प्लेटफ़ॉर्म के पास संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सार्वजनिक रूप से रजिस्ट्रेशन करने के लिए सात दिन हैं। सूचना मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने कहा कि यह आखिरी मौका दिया गया है यदि इन सात दिनों के भीतर जिन सोशल मीडिया एप ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया तो उसके बाद वह नेपाल में निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

ओली सरकार के संसद में विश्वास मत नहीं लिए जाने संबंधी रिट पर कोर्ट ने सभी दस्तावेज मंगवाए

एजेंसी

काठमांडू। सरकार को समर्थन दे रहे और सरकार में सहभागी एक दल के द्वारा प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद संवैधानिक प्रावधानों के तहत 30 दिन के भीतर संसद में विश्वास का मत नहीं लेने संबंधी एक रिट पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इससे संबंधित सभी दस्तावेज जमा करने का आदेश दिया है।

सरकार में सहभागी नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के द्वारा ओली सरकार को दिए जा रहे समर्थन को वापस लेने के बाद 30 दिन के भीतर प्रधानमंत्री द्वारा संसद में विश्वास का मत नहीं लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट में रिट दायर की गई थी। हालांकि 45 दिन के बाद इस पार्टी के तरफ से स्पीकर देवराज घिमिरे को समर्थन जारी रखने का पत्र दुबारा दिया गया। लेकिन नेपाल के संविधान में इस अवस्था में 30 दिन के भीतर ही प्रतिनिधि सभा में विश्वास का मत लेने का अनिवार्य प्रावधान है। इस रिट याचिका के संबंध में दस्तावेज जमा करने का आदेश देते हुए कोर्ट ने नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के द्वारा समर्थन वापस लेने, उनके मंत्री द्वारा इस्तीफा देने और दुबारा समर्थन देने संबंधी सभी दस्तावेज कोर्ट में जमा करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता वीरेंद्र केसी द्वारा दायर रिट याचिका पर यह दूसरी सुनवाई थी। न्यायमूर्ति महेश शर्मा पौडेल और न्यायमूर्ति नृपद्वाज निरौला की पीठ ने संसद सचिवालय को निर्देश दिया कि वह नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के द्वारा स्पीकर को सौंप गए सभी पत्र जमा करने का निर्देश दिया है। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी निर्देश दिया है कि वह नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के भीतर वैधता और नेतृत्व विवाद के बारे में जो भी विवरण है उसे कोर्ट के जमा करे। याचिकाकर्ता का दावा है कि ओली सरकार से समर्थन वापस लेने का निर्णय पार्टी की संसदीय दल की बैठक से किया गया है जबकि दुबारा समर्थन देने का पत्र पार्टी की अध्यक्ष रंजीता श्रेष्ठ के तरफ से बिना पार्टी की बैठक के ही दिया गया है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि सरकार में नागरिक उन्मुक्ति पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्री अरुण कुमार चौधरी का आधिकारिक इस्तीफा पत्र प्रस्तुत किया जाए। सरकार से समर्थन वापसी के साथ ही चौधरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन अभी तक प्रधानमंत्री के तरफ से उसे स्वीकृत नहीं किया गया है।

अमेरिकी अदालत ने किल्मार अब्रेगो गार्सिया के निर्वासन पर लगाई रोक, 6 अक्टूबर को होगी सुनवाई

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने किल्मार अब्रेगो गार्सिया को देश से फिलहाल निर्वासित करने पर रोक लगा दी है। मैरीलैंड की जिला न्यायाधीश पाउला जिनिस ने आदेश जारी करते हुए कहा कि गार्सिया को 06 अक्टूबर को निर्धारित सुनवाई तक देश से बाहर नहीं भेजा जा सकता।

गार्सिया को वर्तमान में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) के एक डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। उनकी कानूनी टीम का कहना है कि गार्सिया अमेरिका में शरण लेना चाहते हैं, क्योंकि यदि उन्हें युगांडा भेजा गया तो वहां उन्हें यातना और उत्पीड़न का खतरा है। 30 वर्षीय एल सल्वाडोर के नागरिक गार्सिया को हाल ही में टेनेसी की एक जेल से रिहा होने के बाद बाल्टीमोर में गिरफ्तार किया गया था। प्रशासन का दावा है कि गार्सिया कुख्यात एमएस-13 गैंग से जुड़ा हुआ है, हालांकि गार्सिया ने इन आरोपों को खारिज किया है।गार्सिया ने इमिग्रेशन अधिकारियों से यह भी कहा है कि अगर उसे अमेरिका से बाहर भेजना ही पड़ा, तो वह कोस्टा रिका जाना पसंद करेगा।

प्रधानमंत्री ओली के पांच दिवसीय चीन भ्रमण की आधिकारिक घोषणा, मोदी और जिनपिंग से होगी मुलाकात

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 30 अगस्त को पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए चीन रवाना होने वाले हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने इसकी औपचारिक घोषणा की। चौथी बार सत्ता संभालने के बाद यह उनकी दूसरी चीन यात्रा है।

विदेश मंत्रालय के तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि इस यात्रा में तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में उनकी भागीदारी के साथ-साथ बीजिंग में जापान के आक्रमण के खिलाफ चीनी पीपुल्स वॉर ऑफ रेसिस्टेंस की विजय की 80वीं वर्षगांठ और विश्व फासीवादी विरोधी युद्ध के अवसर पर स्मारक कार्यक्रम शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस भ्रमण के

दौरान उनकी मुलाकात चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी साइडलाइन मुलाकात तय है। जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात बीजिंग में होगी जबकि भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के साथ वो तियांजिंग में ही मिलने वाले हैं।

विदेश मंत्रालय के बयान में यह भी कहा गया है कि प्रधानमंत्री ओली तियांजिंग में आयोजित एससीओ प्लस के शिखर सम्मेलन को संबोधित करने वाले हैं। शिखर सम्मेलन से इतर, नेपाली प्रधानमंत्री बीजिंग में आयोजित कार्यक्रम में सहभागी होने वाले हैं जिसमें कई विश्व नेताओं के साथ बैठकें भी करेंगे। बीजिंग में ओली 02 सितंबर को चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मिलने वाले हैं। अगले दिन, वह चीनी सरकार द्वारा आयोजित आधिकारिक वर्षगांठ कार्यक्रमों में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल में शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री रघुजी पंत, संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री बद्री प्रसाद पांडे, संसद सदस्य पूर्ण बहादुर खडका, प्रधानमंत्री के आर्थिक और विकास सलाहकार डॉ. युवराज खतिवडा, संसद सदस्य छविलाल विश्वकर्मा के साथ वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल होंगे। एस सी ओ में नेपाल डायलग पार्टनर के रूप में सहभागी होने जा रहा है। इस क्षेत्रीय संगठन में नेपाल सहित 14 देश हैं जबकि भारत चीन, रुस, पाकिस्तान सहित 10 देश हैं जबकि अफगानिस्तान और मंगोलिया इसमें पर्यवेक्षक देश के रूप में सहभागी होने वाले हैं। ओली और उनकी टीम को यात्रा समाप्त करने के बाद 3 सितंबर को वापस लौटना है।

रूस में व्लादिमीर के मेयर दिमित्री नौमोव धोखाधड़ी के संदेह में गिरफ्तार

एजेंसी

मॉस्को (रूस)। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने मध्य रूस के व्लादिमीर शहर के मेयर दिमित्री नौमोव को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी धोखाधड़ी के संदेह और अन्य आरोपों में की गई है। हालांकि नौमोव की गिरफ्तारी या उनके खिलाफ किसी भी आरोप की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। द मॉस्को टाइम्स अखबार की खबर में क्रेमलिन समर्थक अखबार आर्गुमेंटी आई फैक्टरी के हवाले से कहा गया कि संघीय सुरक्षा सेवा के एजेंटों ने मेयर दिमित्री नौमोव के कार्यालय का दरवाजा खुलने का इंतजार किया। कुछ देर इंतजार करने के बाद दरवाजा तोड़ दिया गया। एक कानून प्रवर्तन सूत्र ने बाद में सरकारी समाचार एजेंसी तास को बताया कि सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी के सदस्य दिमित्री नौमोव पर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का संदेह है। सूत्र ने इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं दी।

इस बीच, स्थानीय प्रसारक जेबरा टीवी ने संकेत दिया कि नौमोव की गिरफ्तारी का संबंध एक कथित संगठित अपराध समूह से हो सकता है। इस समूह को कब्रिस्तान माफिया कहा जाता है। बताया गया है कि इसी साल मई में मेयर नौमोव ने अंतिम संस्कार सेवाओं से संबंद्ध दो कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया था। इसके

बाद व्लादिमीर क्षेत्र में अंतिम संस्कार का शुल्क बढ़ाने के संदेह में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल नौमोव की गिरफ्तारी या उनके खिलाफ किसी भी आरोप की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उनकी गिरफ्तारी व्लादिमीर में नगर परिषद चुनाव से तीन हफ्ते से भी कम समय पहले की गई है। नौमोव को नवंबर, 2022 में मेयर नियुक्त किया गया था।

ईरान ने यहूदी विरोधी हमलों पर ऑस्ट्रेलिया के आरोपों को खारिज किया

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय ने ऑस्ट्रेलिया के उन आरोपों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि देश में हुए दो यहूदी विरोधी हमलों के पीछे उसका हाथ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने यहां एक साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ के उन दावों का खंडन किया कि पिछले अक्टूबर में सिडनी में एक कोशर कैफ़े में आग लगने और पिछले दिसंबर में मेलबर्न में एक यहूदी प्रार्थनास्थल पर हुई बड़ी आगजनी के पीछे ईरान का हाथ था। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा ईरानी राजदूत अहमद सादेघी को निष्कासित करने के फैसले पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की करते हुए कहा ÷ यह एक नया घटनाक्रम है। मेरे सहयोगी इस मुद्दे पर विचार कर रहे हैं ताकि ईरान की प्रतिक्रिया पर निर्णय लिया जा सके। प्रवक्ता ने कहा कि पिछले दो हफ़्तों में, हमने क़ब्ज़े वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों में लोगों की हत्या के विरोध में ऑस्ट्रेलिया में लाखों लोगों के प्रदर्शन देखे हैं,। ऑस्ट्रेलिया के कुछ राजनेताओं ने भी एक दुर्लभ कदम उठाते हुए इज़राइल की कार्रवाइयों की हल्की-फुल्की आलोचना की है। अल्बानीज़ ने घोषणा की थी कि ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है और तेहरान स्थित अपने दूतावास का संचालन अस्थायी तौर पर बंद कर दिया है।

एचडी हुंडई हेवी इंडस्ट्रीज और एचडी हुंडई मिपो का जहाज निर्माण कंपनी एचडी केएसओई में हुआ विलय

एजेंसी

सियोल (दक्षिण कोरिया)। एचडी हुंडई के जहाज निर्माण व्यवसाय की देखरेख करने वाली मध्यवर्ती होल्डिंग कंपनी एचडी कोरिया शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग (एचडी केएसओई) ने एचडी हुंडई हेवी इंडस्ट्रीज (एचएचआई) और एचडी हुंडई मिपो के विलय की योजना की घोषणा की। यह कदम अमेरिका के साथ बढ़ते जहाज निर्माण सहयोग के बीच प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने के लिए उठाया गया है। उलसान स्थित दो जहाज निर्माण सहायक कंपनियों का विलय पूरा होने के बाद एकीकृत इकाई एचडी एचएचआई के रूप में काम करेगी। द कोरिया टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, चीन और जापान में प्रमुख जहाज निर्माण कंपनियों के हालिया विलय का हवाला देते हुए एचडी केएसओई ने कहा कि यह एकीकरण विशेष रूप से नौसैनिक पोत बाजार में कंपनी की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा। एचडी एचएचआई के विपरीत, जिसका युद्धपोतों के निर्माण और निर्यात में एक अच्छा रिकॉर्ड है, एचडी हुंडई मिपो के पास नौसैनिक जहाजों के निर्माण का लाइसेंस नहीं है, हालांकि, उसके पास युद्धपोत निर्माण के लिए उपयुक्त सुविधाएं मौजूद हैं। ब्रिटिश रक्षा उद्योग की पत्रिका जेन्स के अनुसार अगले 10 वर्षों में दुनिया भर में नौसैनिक जहाजों के लिए कुल 2,100 नए अनुबंध होने की उम्मीद है, जिनका कुल मूल्य 360 अरब डॉलर होगा। एचडी केएसओई ने कहा कि

एकीकृत एचडी एचएचआई का लक्ष्य 2035 तक रक्षा क्षेत्र से 10 ट्रिलियन वॉन (7.1 अरब डॉलर) का वार्षिक राजस्व उत्पन्न करना है। आर्कटिक शिपिंग मार्गों की बढ़ती मांग को देखते हुए, नई इकाई आइसब्रेकर सहित विशेष-उद्देश्य वाले जहाजों के बाजार में अपनी हिस्सेदारी का विस्तार करना चाहती है। एचडी केएसओई के एक अधिकारी ने कहा, विलय के साथ हम अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाएंगे और उन्नत तकनीकें हासिल करेंगे। विलय योजना के अतिरिक्त एचडी केएसओई ने एक निवेश फर्म की स्थापना की योजना की घोषणा की, जो वियतनाम और फिलीपींस सहित एचडी हुंडई के विदेशी परिचालनों की देखरेख के लिए जिम्मेदार होगी। यह नई कंपनी दिसंबर में सिंगापुर में स्थापित की जाएगी, ताकि थोक जहाज और टैंकर बाजारों में चीनी प्रतिस्पर्धियों से चुनौतियों का समाधान किया जा सके और विदेशी व्यापार के लिए निर्णय लेने की प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके।

एसएचओ बाग-ए-बाहु ने किया बाढ़ प्रभावित वार्ड 48 का दौरा, दिलाया राहत का आश्वासन

तवी नदी की बाढ़ से बेहाल गोरखा नगर में पानी-बिजली संकट, पीएचई विभाग के खिलाफ लोगों का विरोध प्रदर्शन

जम्मू, 28 अगस्त। 26 अगस्त को हुई तेज़ बारिश और तवी नदी में आए बाढ़ ने जम्मू के हालात बिगाड़ दिए हैं।

कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, सड़कें मलबे से पट गईं और बुनियादी सेवाएं ठप हो गईं। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में गोरखा नगर शामिल है, जहाँ लोग पानी और बिजली की किल्लत से जूझ रहे हैं।

गुरुवार को गोरखा नगर के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियंत्रिकी (पीएचई) विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। महिलाएं, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में बोरिया कॉम्प्लेक्स स्थित पीएचई पंपिंग स्टेशन, गोरखा नगर (बाहू किला क्षेत्र, जम्मू) में जमा हुए और नारेबाजी की।

लोगों का आरोप है कि नेताओं और अधिकारियों ने केवल आश्वासन दिए लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई कदम नहीं उठाया।सभी नेता यहाँ सिर्फ़ फोटो खिंचवाने आए थे। उसके बाद कोई दिखाई नहीं दिया। हमारे पास न पानी है, न बिजली, और घरों में अब भी कीचड़ भरा है एक आक्रोशित निवासी ने कहा।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद जलापूर्ति बहाल नहीं की गई, जिससे मजबूरन परिवारों को महंगे दामों पर प्राइवेट पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। उन्होंने राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों पर संकट की घड़ी में इलाके को नज़रअंदाज़ करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन के बाद लोग बाघ-ए-बाहू थाने पहुँचे और अपनी शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी (एसएचओ) अश्विनी कुमार ने खुद वार्ड नंबर 48 का दौरा किया, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायज़ा लिया, लोगों से मुलाक़ात की और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को उच्च अधिकारियों तक पहुँचाया जाएगा और जल्द कार्रवाई की जाएगी।

हालाँकि इस आश्वासन से कुछ देर के लिए राहत मिली, लेकिन गोरखा नगर का माहौल अब भी तनावपूर्ण है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो वे आंदोलन को और तेज़ करेंगे। हमने बहुत सब्र किया है। अगर विभाग तुरंत कार्रवाई नहीं करता, तो हमें मजबूरन बड़ा आंदोलन करना पड़ेगा,卐 एक अन्य निवासी ने कहा।

इस संकट ने न केवल बाढ़ प्रभावित परिवारों की दुर्दशा उजागर की है बल्कि नागरिक निकायों की तैयारी और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने **तुरंत जलापूर्ति बहाल करने, पंपिंग स्टेशन की मरम्मत कराने और लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने** की मांग की है।

फिलहाल, गोरखा नगर के लोग अपनी सबसे बुनियादी ज़रूरत — स्वच्छ और पर्याप्त पानी — के लिए संघर्ष कर रहे हैं और देख रहे हैं कि क्या प्रशासनिक आश्वासन हकीकत में बदलते हैं या उन्हें एक बार फिर सड़कों पर उतरना पड़ेगा।

सदियों पुराना मेला पट भद्रवाह में शुरू, हजारों श्रद्धालु उमड़े

अमीर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 28 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदाओं के बीच, ऐतिहासिक तीन दिवसीय मेला पट गुरुवार को भद्रवाह में पारंपरिक उत्साह के साथ आरंभ हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने भाग लेकर मनमोहक भद्रवाह घाटी की रौनक बढ़ा दी।

सदियों पुराना यह मेला, भद्रवाह के अधिष्ठाता देवता भगवान वासुकी नाग को समर्पित है और प्रति वर्ष नाग पंचमी पर आयोजित किया जाता है। यह आयोजन 16वीं शताब्दी में मुगल बादशाह अकबर और भद्रवाह के राजा नागपाल के ऐतिहासिक मिलन की स्मृति में मनाया जाता है।

ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, इस पर्व की शुरुआत तत्कालीन भदरकाशी (वर्तमान भद्रवाह) के शासक राजा नागपाल ने की थी। तभी से यह मेला क्षेत्र का सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जिसमें सभी धर्मों और समुदायों के लोग मिल-जुलकर भाग लेते हैं।

भद्रवाह नगर के खाखल मोहल्ला में आयोजित तीन दिवसीय उत्सव कैलाश यात्रा के तुरंत बाद होता है और यह विनायक चतुर्थी या पथरचौथ के साथ मेल खाता है। इस मेले का मुख्य आकर्षण पारंपरिक ढाकू नृत्य है, जो क्षेत्र की अनूठी लोकनृत्य शैली है। इ्न मेला पट डोडा जिले के मेलों में विशेष महत्व रखता है। इसमें सभी जाति, धर्म और संप्रदाय के लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं, जिससे न केवल स्थानीय संस्कृति समृद्ध होती है बल्कि पर्यटन के जरिए अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है,卐 सामाजिक-राजनीतिक नेता मस्तनाथ योगी ने कहा। किंवदंती के अनुसार, राजा नागपाल ने सम्राट अकबर के सामने झुकने से इनकार कर दिया था और कहा था कि वे केवल अपने आराध्य भगवान वासुकी नाग के ही प्रति नतमस्तक होंगे। अकबर ने उनकी भक्ति की परीक्षा लेनी चाही। अगले दिन, मुगल दरबार स्तब्ध रह गया जब राजा नागपाल की पगड़ी बहु-मुखी सर्प में बदल गई। इसके बाद अकबर ने सम्मानस्वरूप उन्हें धन और वैभव प्रदान किया। लौटकर राजा नागपाल ने नाग पंचमी के दिन ये उपहार जनता को दिखाए और तभी से मेला पट की परंपरा की नींव पड़ी।

पोषक तत्वों का खजाना है मक्का

यदि मक्का प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना हो तो किसानों को मिलेगा व्यापक लाभ और क्षेत्र का होगा कायाकल्प

मक्के को सिर्फ आहार के रूप में ही इस्तेमाल नहीं किया जाता है बल्कि स्टार्च, तेल, प्रोटीन, दवा, कॉस्मेटिक, कपड़ा, गम, पेपर और पैकेज जैसे उद्योगों के लिए भी मक्का कच्चा माल है. यहीं कारण है कि इसकी मांग किसी न किसी रूप में हमेशा बनी रहती है.

मक्का की खेती दुनिया के करीब 165 देशों में होती है. कुल वैश्विक अनाज उत्पादन में 39 फीसदी हिस्सा मक्का का ही है. इसकी सबसे अधिक पैदावार अमेरिका में होती है. मक्का को अमेरिका की अर्थव्यवस्था का चालक भी माना जाता है. भारत में मक्का की खेती वैसे तो खरीफ सीजन में होती है, लेकिन अलग-अलग जलवायु को देखते हुए देश में इसकी थोड़ी बहुत खेती पूरे साल होती रहती है. धान और गेहूं के बाद मक्का ही हमारे देश की तीसरी सबसे बड़ी अनाज की फसल है. यह देश में कुल अनाज उत्पादन का 10 फीसदी है. मक्का न सिर्फ इंसानों के लिए बल्कि पशुओं के लिए भी एक बेहतरीन आहार है.

कृषि वैज्ञानिकों ने मक्के की उच्च गुणवत्ता और अधिक पैदावार वाली किस्में भी विकसित की हैं. वहीं अलग-अलग हिस्सों के लिए वहां की मिट्टी और जलवायु को ध्यान में रखकर भी कई किस्मों का इजाद किया गया है. इससे किसान मक्के से अधिक से अधिक पैदावार लेते हैं और अपनी कमाई को बढ़ाते हैं. रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण मक्का की मांग काफी बढ़ी है. माना जा रहा है कि इसका फायदा भारतीय किसानों को होगा.

पोषक तत्वों का खजाना है मक्का

भुट्टा यानी साबुत मक्का को पोषक तत्वों का खजाना कहा जाता है. 100 ग्राम उबले कॉर्न में 96 कैलोरी, 73त्न पानी, 3.4 प्रोटीन, 21 ग्राम कार्ब, 4.5 ग्राम शुगर , 2.4 फाइबर और 1.6 फैट होता है. इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स (त्रद्ब) भी बहुत कम होता है. 112 ग्राम पॉपकॉर्न में 16 ग्राम फाइबर होता है. इसके अलावा इसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन श्च पाया जाता है. इसमें कोलेस्ट्रॉल का स्तर बहुत कम होता है.

विटामिन और पोषक तत्व- अलग-अलग मक्के में अलग-अलग तरह के विटामिन और पोषक तत्व पाए जाते हैं. जैसे कि पॉपकॉर्न में मिनरल्स तो स्वीट कॉर्न में कई तरह के विटामिन होते हैं. भुट्टे और पॉपकॉर्न में भरपूर मात्रा में फास्फोरस, मैंगनीज और जिंक पाया जाता है. वहीं स्वीट कॉर्न में विटामिन क्च और क्क्ष् पाया जाता है. ये शरीर फोलिक एसिड की कमी पूरी करता है.

आंखों के लिए फायदेमंद- मक्के में कैरोटीनॉयड ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन जैसे जरूरी एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. ये ऑप्टिक टिश्यू से हानिकारक फ्री रेडिकल्स को हटाते हैं और आंखों की रोशनी बढ़ाते हैं. इसके अलावा, ये आंखों के नाजुक हिस्सों को नुकसान से बचाते हैं. ये उम्र के साथ होने वाली बीमारियों जैसे कि ग्लूकोमा और मोतियाबिंद से भी बचाव करते हैं.

हड्डियों को मजबूत करता है- मक्के में नेचुरल कैल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है. ये हड्डियों के घनत्व को भी बढ़ाता है और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है. ये गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और किडनी की समस्या में भी फायदेमंद है. युवा लोग रोजाना मक्के का का सेवन कर सकते हैं लेकिन मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों को इसे सीमित मात्रा में खाना चाहिए.

ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखता है- भुट्टे में मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को तुरंत एनर्जी देने का काम करते हैं. इसमें मौजूद फाइटेट्स, टैनिन, पॉलीफेनोल्स जैसे तत्व पाचन प्रक्रिया को धीमा करते हैं जिसकी वजह से हाई ब्लड शुगर कम हो जाता है. डायबिटीज के मरीजों में ये बहुत फायदेमंद है. कैलोरी में कम और फाइबर ज्यादा होने की वजह से ये वेट लॉस में भी बहुत कारगर है.

एनीमिया दूर करता है- भारत में ज्यादातर महिलाएं, पुरुष और बच्चों में आयरन की कमी पाई जाती है. इसकी कमी से बहुत ज्यादा थकान और प्रोडक्टिविटी का स्तर कम होता है. कॉर्न आयरन का पावरहाउस है. जिन लोगों में हीमोग्लोबिन का स्तर कम होता है उनके लिए एक दवा का काम करता है. ये प्रभावी रूप से एनीमिया का इलाज करता है.

नर्वस सिस्टम फंक्शन को बढ़ाता है- कॉर्न खाने से नर्वस सिस्टम फंक्शन बेहतर तरीके से काम करता है. इसमें पाए जाने वाले अमीनो एसिड दिमाग को शांत कर यादाश्त को बढ़ाने का काम करते हैं. ये तनाव कम करने के साथ ही इनसोम्निया के इलाज में भी बहुत कारगर है. इसे खाने से मूड तो अच्छो होता ही है, नींद भी अच्छी आती है.

दिल के लिए फायदेमंद- मक्के में कोलेस्ट्रॉल और सोडियम बिल्कुल भी नहीं होता है. मक्के के आटे से बनी चीजें दिल के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं. इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला फाइबर और विटामिन क्च या गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है. ये हृदय वाहिकाओं में वसा को जमने से रोकता है और मांसपेशियों के कार्य को आसान बनाता है. कुल मिलाकर दिल के लिए मक्का या भुट्टा बहुत फायदेमंद है.

पेट के दिक्कतों को दूर करता है- पेट दर्द, अनियमित शौच, दस्त, पेट फूलना और कब्ज के मरीजों में भुट्टा बहुत आराम देता है. इसमें पाए जाने वाले फाइबर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल फंक्शन में सुधार करते हैं. ज्यादा फाइबर वाले फूड पेट की सेहत के लिए बहुत अच्छे माने जाते हैं और मक्का इनमें से एक है. ये पाचन और मेटाबॉलिज्म से जुड़ी दिक्कतों को दूर कर इसे बेहतर करता है.

एंटी-एजिंग का काम- भुट्टे के बीज फेनोलिक एसिड और फ्लेवोनोइड से बने होते हैं. ये दोनों एंटीऑक्सिडेंट फ्री रेडिकल्स की समस्या दूर करते हैं. ये नए स्किन सेल्स को बनाने का काम करते हैं साथ ही फाइन लाइन्स और झुर्रियों को छिपाते हैं. इसके सेवन से शरीर में कोलेजन बनता है जिससे स्किन कोमल और चिकनी बनती है.

कई उद्योग मक्के को कच्चा माल के रूप में करते हैं इस्तेमाल

मक्के को सिर्फ आहार के रूप में ही इस्तेमाल नहीं किया जाता है बल्कि स्टार्च, तेल, प्रोटीन, दवा, कॉस्मेटिक, कपड़ा, गम, पेपर और पैकेज जैसे उद्योगों के लिए भी मक्का कच्चा माल है. यहीं कारण है कि इसकी मांग किसी न किसी रूप में हमेशा बनी रहती है. मक्का के आटे या दाने जो हम बाजार से लाते हैं, वे कई चरण के बाद उस रूप में पहुंचते हैं. दाने अलग करने के बाद भुट्टों का भी इस्तेमाल हो जाता है।

कॉर्न स्टार्च

चावल और गेहूं के बाद भारत का तीसरा सबसे अधिक उगाया जाने वाला अनाज मक्का है. वर्ष 2018 में भारत सातवां सबसे बड़ा उत्पादक देश था, जो मक्का के मूल केंद्रों में से एक मेक्सिको से थोड़ा आगे था. शुरुआत में मूल रूप से इसका अधिकांश हिस्सा पशु आहार और औद्योगिक उपयोग के लिए जाता था. जैसे- स्टार्च और औद्योगिक शराब बनाना. लेकिन अब पूरे भारत में इससे व्यंजन बनाए जाते हैं. जैसे- मक्का की रोटी और सरसों का साग. भुट्टा, भुने हुए भुट्टे या मकई, एक बहुत पसंद किया जाने वाला मानसून उपचार है, खासकर जब स्वाद के लिए नमक स्प्रे के साथ गर्म खाया जाता है. अतिरिक्त मीठे मकई के दाने, उबले हुए साबुत और मसालेदार, बाजार में या सिनेमा हॉल के नाश्ते में शाम के खाने में लोकप्रिय हो गए हैं.

मकई का उपयोग पशुओं के चारे के रूप में, मानव भोजन के रूप में, जैव ईंधन के रूप में और उद्योग में कच्चे माल के रूप में भी किया जाता है. कृषि उत्पाद जिन्हें मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त समझा जाता है, अन्य उपयोगी उत्पादों के लिए उपयोग किया जाता है. ऐसा उपयोगी उत्पाद कॉर्न, स्टार्च से बायोपॉलिमर से बने प्लास्टिक का विकल्प हैं. बायोपॉलिमर प्लास्टिक उत्पादों की तुलना में 2.5 गुना महंगे हैं, लेकिन जहां यह स्कोर कर सकता है वह यह है कि आप 50 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक बैग का उत्पादन नहीं कर सकते हैं. दूसरी ओर 20 माइक्रोन के बायोपॉलिमर बैग का उत्पादन कर सकते हैं.

हालांकि माइक्रोन का स्तर कम है, ये बायोपॉलिमर प्लास्टिक की थैलियों की तुलना में अधिक मजबूत होते हैं. प्लास्टिक से बना 50 माइक्रोन पारंपरिक पॉलीबैग सामान्य रूप से दो किलो तक के उत्पादों को पकड़ सकता है. बायोपॉलिमर बैग में पांच किलो तक के उत्पाद रखे जा सकते हैं. जैसा कि मुकुल सरीन, निदेशक, व्यवसाय विकास, हाई-टेक इंटरनेशनल, मानेसर, गुरुग्राम (हरियाणा) का एक औद्योगिक केंद्र, प्लास्टिक और पैकेजिंग के क्षेत्र में एक प्रौद्योगिकी सोर्सिंग प्रदाता द्वारा सूचित किया गया है, एक संयंत्र-आधारित जैव के साथ आया है- कम्पोस्टेबल पॉलिमर.

कॉर्न स्टार्च को ग्रेन्युल में परिवर्तित करके बायोपॉलिमर का उत्पादन किया जाता है. सरीन ने कहा. हम मिलों से स्टार्च खरीदते हैं और एक सम्मिश्रण प्रक्रिया के माध्यम से पोलीमराइज़ेशन के लिए जाते हैं. यह हमें पॉलीमर ग्रेन्यूल्स प्राप्त करने में मदद करता है जिस तरह से कुछ पेट्रोकेमिकल फर्म प्लास्टिक ग्रेन्यूल्स का उत्पादन करती हैं. इन दानों से, 1985 में स्थापित गुड़गांव स्थित फर्म, बोतलें, कप, ट्रे, पॉलीबैग और ऐसी अन्य सामग्री का उत्पादन करती है. मकई स्टार्च हमारे उत्पाद का 60-70 प्रतिशत बनाता है. हम अपने उत्पाद के निर्माण के लिए बायोमास का भी उपयोग करते हैं. सरीन ने आगे कहा कि डॉ. बायो के रूप में ब्रांडेड बायो-कम्पोस्टेबल पॉलीमर को परीक्षण के बाद इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स टेक्नोलॉजी (पूर्व में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) की मंजूरी मिल गई है.

हमारे उत्पाद को कंपोस्टेबल पाए जाने के बाद ही मंजूरी दी गई थी. हमारी एकमात्र भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा अनुमोदित बायोपॉलिमर फिल्म है. पॉलिमर में मुख्य घटक के रूप में कॉर्न स्टार्च होता है जो बायोडिग्रेडेबल होता है. यह 100 प्रतिशत खाद है और प्लास्टिक की बोतलों, स्ट्रॉ, कप, डिस्पोजेबल कटलरी और पॉलीबैग की जगह ले सकता है.

मक्का रिफाइंड तेल

सरसों, सोयाबीन, बिनौला और मूंगफली तेलों के बीच मक्का रिफाइंड तेल भी अब अपनी जगह बनाता हुआ दिख रहा है. पिछले चार-पांच साल के दौरान देश में मक्का रिफाइंड तेल का उत्पादन करीब दोगुना हो गया है. मक्का रिफाइंड तेल की ज्यादा खपत फिलहाल गुजरात, महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में अधिक है जबकि उत्तर भारत के राज्यों में धीरे-धीरे इसका चलन बढ़ रहा है. बिनौला तेल में माल की कमी है. सोयाबीन तेल का इस्तेमाल भी कुछ कम हुआ है, वहीं सूरजमुखी तेल अब महंगा पड़ने लगा है. इस लिहाज से मक्का रिफाइंड तेल की मांग बढ़ी है.

मक्का रिफाइंड तेल का भाव 140 रुपये किलो के आसपास है, जबकि बिनौला तेल 148 रुपये किलो और मूंगफली तेल 160 रुपये किलो तक पड़ता है. नमकीन, मिठाई और इसी तरह के अन्य उत्पाद बनाने वाली प्रमुख कंपनियां जहां पहले बिनौला, सोयाबीन तेल का इस्तेमाल करते थीं, वहीं अब वह मक्का रिफाइंड तेल का अधिक इस्तेमाल कर रही हैं. बिनौला और सरसों की तरह एक्सपैलर से सीधे मक्की खल निकलती है जिसकी अच्छी मांग है.

बिनौला खल में जहां सात प्रतिशत तेल होता है वहीं मक्की खल में 12 से 14 प्रतिशत तक तेल की मात्रा होती है. मक्का खल पशुओं के लिये काफी उपयोगी बताई गई है. इस लिहाज से इसकी मांग काफी बढ़ी है. देश में चार साल पहले जहां 5,000 टन प्रति महीना मक्का रिफाइंड तेल का उत्पादन होता था वहीं अब यह बढ़कर आठ से 10 हजार टन महीना तक पहुंच गया है.

प्रोटीन का सस्ता स्त्रोत मक्का

मक्का विश्व की एक प्रमुख खाद्यान्न फसल है. मक्का में विद्यमान अधिक उपज क्षमता और विविध उपयोग के कारण इसे खाद्यान फसलों की रानी कहा जाता है. पहले मक्का को विशेष रूप से गरीबो का मुख्य भोजन माना जाता था परन्तु अब ऐसा नहीं है.

वर्तमान में मक्का का उपयोग मानव आहार (24 %) के अलावा कुक्कुट आहार (44 %),पशु आहार (16 %), स्टार्च (14 त्न), शराब (1 त्न) और बीज (1 %) के रूप में किया जा रहा है. गरीबों का भोजन मक्का अब अपने पौष्टिक गुणों के कारण अमीरों के मेज की शान बढ़ाने लगा है. मक्का के दाने में 10 प्रतिशत प्रोटीन, 70 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 4 प्रतिशत तेल, 2.3 प्रतिशत क्रूड फाइबर, 1.4 प्रतिशत राख तथा 10.4 प्रतिशत एल्ब्यूमिनोइड पाया जाता है. मक्का के भ्रूण में 30-40 प्रतिशत तेल पाया जाता है.

मक्का की प्रोटीन में ट्रिप्टोफेन तथा लायसीन नामक दो आवश्यक अमीनो अम्ल की कमी पाई जाती है. परन्तु विशेष प्रकार की उच्च प्रोटीन युक्त मक्का में ट्रिसोफेंन एवं लाईसीन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है जो गरीब लोगों को उचित आहार एवं पोषण प्रदान करता है साथ ही पशुओं के लिए पोषक आहार है. गुणवत्ता प्रोटीन मक्का में लायसीन व ट्रप्टोफान की अधिकता होती है तथा ल्युसिन तथा आइसो ल्युसिन की मात्रा कम होती है.

मक्का उद्योग से खुल सकता है विकास का द्वार

मक्का आधारित उद्योग को विस्तार देकर विकास का द्वार खोला जा सकता है। बिहार के पूर्णिया जिले में हर साल पांच लाख टन से अधिक के मक्का का कारोबार होता है। मल्टीनेशनल कंपनियां यहां अपना शाखा स्थापित कर मक्का की खरीदारी करती है। यहां मक्का आधारित उद्योग नहीं रहने के कारण किसानों को अपने उत्पादन का वाजिब लाभ नहीं मिल पाता है। जबकि इसके लिए लघु उद्योग में काफी संभावनाएं हैं।

क्षेत्र में मेज प्रोसेसिंग करने वाले इंटरप्राइजेज के वाजिब आसार हैं। यहां मक्का से सीड प्रोसेसिंग, मेज फ्लेक्स, कार्न आयल और केट्ल फीड वाले लघु उद्योगों की यहां व्यापक संभावनाएं है। इसके तहत कार्न फ्लेक्स, आटा, सूजी, दर्रा, पशु आहार आदि तैयार किये जा सकते हैं। बता दें कि हर साल लगभग 5 लाख टन मक्का यहां से देश के दूसरे प्रांतों में जाता है जो दवा से लेकर फीड व अन्य सामग्री बनाने में काम आता है। मक्का से तैयार इथेनॉल ईख से तैयार होने वाले इथेनॉल से बेहतर होता है और लागत भी कम आती है। मक्का से स्टार्च भी तैयार किया जाता है। पूर्णिया रेलवे जंक्शन, जलालगढ एवं रानीपतरा रेलवे स्टेशन पर स्थित रैक प्वाइंट से हर साल मक्का दूसरे प्रांतों को भेजे जाते हैं।

पूर्णिया प्रमंडल में मक्का किसानों के लिए सबसे बड़ा कैश क्रॉप बन गया है। प्रमंडल के पूर्णिया, अररिया, कटिहार व किशनगंज में रबी फसल के मौसम में 1 लाख 28 हजार हेक्टेयर में मक्का की खेती होती है। इस मक्का की बिक्री का सबसे बड़ा केंद्र उत्तर बिहार की सबसे बड़ी मंडी गुलाबबाग है। यहां कंपनियां मक्का खरीदने के लिए अपनी शाखाएं खोल रखी हैं जिससे किसानों को अधिक मूल्य तो मिलता है लेकिन अन्य राज्यों में ले जाकर कंपनियां जितना मुनाफा कमाती है उस मुकाबले किसानों को कम ही मिलता है। अगर मक्का आधारित उद्योगों को इस इलाके में बढ़ावा दिया जाए तो किसानों को तो और अधिक मुनाफा होगा ही साथ रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेगी। जम्मु क्षेत्र के सर्वाधिक मक्का उत्पादक जिलों पूंछ, राजौरी, कठुआ को भी यहां से सीख लेनी चाहिए और मक्का उद्योग को स्थापित करके मक्का की खेती को बढ़ावा देना चाहिए।